राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 18 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-283 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सैन्य ताकत | अमेरिकी एफ-35 से भी एडवांस होगा,पहली उड़ान 2030 तक संभव

राजनाथ-जयशंकर की जोड़ी जापान में मचाएगी बड़ी 'धूम'

दिखाएगी कमाल ! 2 प्लस 2 वार्ता के लिए आज पहुंचेंगे टोक्यो



नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ टोक्यो में भारत-जापान विदेश मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे। इस उच्चस्तरीय वार्ता की सह-अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर करेंगे। यह वार्ता बुधवार से जापान में शुरू होगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जापान की इस यात्रा के दौरान समझौते होंगे। और रक्षा मंत्रियों की चौथी 2 प्लस 2 वार्ता में शामिल होंगे। राजनाथ सिंह यहां जापान के रक्षा

जापान के शीर्ष नेताओं से मिलेंगे राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह का आधिकारिक जापान दौरा 18 नवंबर को प्रारंभ होगा। वह 18 और 19 नवंबर को जापान के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। जापान की ओर से जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी और विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी इस महत्वपूर्ण वार्ता में शामिल होंगे। वार्ता में दोनों देशों के बीच रणनीतिक और रक्षा सहयोग के सभी प्रमुख पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। दोनों देश स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियमों पर आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता भी दोहराएंगे।

देश में छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने की तैयारी चल रही है। इसकी पहली उड़ान 2030 तक संभव है। डिफेंस कंपनी रेफी एमफाइबर इसे तैयार कर रही है। कंपनी के अध्यक्ष विकास मिश्रा ने सोमवार को नेशनल सिक्योरिटी समिट में वायुसेना के अधिकारियों की मौजूदगी में भारत को छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान देने का ऐलान किया।

कंपनी के एक सूत्र के मुताबिक, यह विमान छठी पीढ़ी के सभी मानकों पर खरा उतरता है। कई मामलों में इसके पैरामीटर्स अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू विमान से भी आगे हैं। दरअसल, फाइटर जेट को उनकी तकनीक और लड़ने की क्षमता के आधार पर अलग-अलग पीढ़ियों में बांटा जाता है। अभी भारत पांचवीं पीढ़ी का स्वदेशी स्टेल्थ फाइटर जेट बना रहा है। ऐसे में एक प्राइवेट कंपनी का छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने का दावा चर्चा में है।

12 देशों के इंजीनियर मिलकर काम कर रहे



इस फाइटर जेट को बनाते समय वायुसेना की जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। कंपनी के अनुसार उसके साथ 12 देशों के विमान इंजीनियर जुड़े हैं। दावा है कि उसने दुनिया में सर्वाधिक पेटेंट दायर किए हैं। एयरक्राफ्ट डिजाइन और निर्माण के लिए 10 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया है। ड्रोन में विशेषज्ञता के साथ कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर में 7 लाख वर्ग फुट में अपनी फेसिलिटी भी तैयार की है। हिंद महासागर में चीनी पनडुब्बियों की मौजूदगी और पाकिस्तान की बढ़ती क्षमता के बीच भारत समुद्री निगरानी मजबूत कर रहा है। डीआरडीओ ने 'वरुण ध्वनि-01' बनाया है, जो समुद्र के भीतर की आवाजें दर्ज कर संकेत जीसैट उपग्रह से रक्षा प्रयोगशाला भेजेगा। कोच्चि की नौसेना प्रयोगशाला ने इसे बनाया है। इसे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में तैनात किया जाएगा।

5वीं पीढ़ी के फाइटर के लिए जल्द चुना जाएगा प्राइवेट पार्टनर

रक्षा मंत्रालय पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के विकास के लिए 3 औद्योगिक गठबंधनों में से एक का चयन इसी महीने करेगा। इनमें एलएंडटी, भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के गठबंधन शामिल हैं। चुना गया गठबंधन एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी के साथ मिलकर परियोजना पर काम करेगा।

कोर्ट अब 9 दिसंबर को सुनेगा एसआईआर की याचिकाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन यानी एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष लगातार हमलावर है। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को चुनाव आयोग और एसआईआर से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई होनी थी, लेकिन अब यह 9 दिसंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक दो पिटीशन दायर कर चुका है। पहली याचिका 12 अक्टूबर तो दूसरी याचिका 16 नवंबर को दायर की। सोमवार को दायर याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों से 48 सवाल पूछने की इजाजत मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर को भी सुनवाई स्थगित कर दी थी। इससे एक दिन पहले यानी 26 नवंबर को चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया था।

यूरिया से ज्यादा असरदार होगा ग्रीन अमोनिया!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि देशभर में 10,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में ग्रीन अमोनिया के परीक्षण किए जा रहे हैं। इनमें पंजाब का 1,800 हेक्टेयर क्षेत्र भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह यूरिया से कहीं अधिक प्रभावी है। वहीं भारत का बागवानी उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में 4.36 प्रतिशत बढ़कर 38.69 करोड़ टन रहने का अनुमान है। कृषि मंत्री सरकार का तीसरा अग्रिम अनुमान जारी किया।

देशभर में 10 हजार हेक्टेयर में चल रहा परीक्षण



मंगलवार को शिवराज सिंह चौहान मोहाली के बदरपुर गांव में एक खेत में ग्रीन अमोनिया का परीक्षण प्रत्यक्ष तौर पर देखने पहुंचे। इस मौके पर पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, पंजाब में हम पहले ही 1,015 हेक्टेयर क्षेत्र में परीक्षण कर चुके हैं। संगरूर, बठिंडा, अमृतसर, होशियारपुर, कपूरथला और नवांशहर में भी परीक्षण किए जाएंगे और हम इनके नतीजों का आकलन करेंगे। वैज्ञानिकों का हवाला देते हुए चौहान ने कहा कि यूरिया में 46 प्रतिशत नाइट्रोजन होती है, जबकि ग्रीन अमोनिया में इसकी मात्रा करीब 82 प्रतिशत होती है। उन्होंने कहा, 46 प्रतिशत की तुलना में 82 प्रतिशत का मतलब है कि यह कहीं अधिक प्रभावी है। मंत्री ने कहा कि किसान जब यूरिया डालते हैं, तो उसका वास्तविक उपयोग केवल करीब 40 प्रतिशत ही हो पाता है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बताया फायदा

किसानों के लिए खुल रहे आय के नए स्रोत

कृषि मंत्री ने कहा, व्यावसायिक और नकदी फसलों की ओर यह बढ़ता रुझान न केवल किसानों के लिए आय के नए स्रोत खोल रहा है, बल्कि कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और प्रगति के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्पादन का यह रिकॉर्ड न केवल देश की पोषण सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि बागवानी करने वाले किसानों की आय भी सीधे तौर पर बढ़ाएगा। फल उत्पादन 2025-26 में 4.60 प्रतिशत बढ़कर 12.30 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 11.76 करोड़ टन था। इसमें 54.2 लाख टन की वृद्धि होगी। केले, आम, पपीता, सेब, अनार और कटहल के उत्पादन में बढ़ोतरी से इसमें मदद मिलेगी।

उत्पादन बढ़ने का अनुमान

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कहा कि बागवानी फसलों का रकबा एक साल पहले के 3.01 करोड़ हेक्टेयर से घटकर करीब 2.97 करोड़ हेक्टेयर रहने के बावजूद उत्पादन बढ़ने का अनुमान है। ये आंकड़े राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य सरकारी एजेंसियों से मिले आंकड़ों पर आधारित हैं। चौहान ने उत्पादन में वृद्धि का श्रेय किसानों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की नीतियों को दिया। उन्होंने कहा कि किसान पारंपरिक फसलों से हटकर औषधीय पौधों की खेती कर रहे हैं।

मथुरा में दो दिन चला भाजपा का महामंथन

मिशन उत्तरप्रदेश 2027 का तैयार हुआ रोडमैप



मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के फरह के परखम में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय योजना बैठक मंगलवार को संपन्न हो गई। बैठक में वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर दो दिन तक व्यापक मंथन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत पार्टी के चिंतक, विशेषज्ञ और वरिष्ठ नेताओं सहित करीब 55 प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय और स्थानीय नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

जल्द ही कम हो सकता है हवाई किराया बढ़ेंगी फ्लाइट्स

भारत 1,000 विमान खरीदेगा,पीयूष गोयल ने बताया बड़ा प्लान



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत अपनी बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए 1,000 और सिविल एयरक्राफ्ट का ऑर्डर देने के लिए तैयार है। विमानों की संख्या बढ़ने से हवाई किराया कम हो सकता है। उन्होंने बताया कि देश इस समय विमानों की भारी कमी से जूझ रहा है और कुल जरूरत को पूरा करने के लिए भारत को 2,000 से ज्यादा विमानों की जरूरत होगी। इसलिए विमान बनाने वाली कंपनियों से तेज लगातार बातचीत हो रही है। पीयूष गोयल ने यह बड़ी जानकारी दी।

भारत और मिस्र के बीच बढ़ेंगी डायरेक्ट फ्लाइट्स-केंद्रीय मंत्री ने भारत और मिस्र के बीच एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें ज्यादा एयर कनेक्टिविटी की जरूरत है... जैसे ही हमें और विमान मिलेंगे, हमें यकीन है कि हम मिस्र के लिए और अधिक फ्लाइट्स शुरू कर पाएंगे। पीयूष गोयल दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से मिस्र की यात्रा पर हैं। वर्तमान में इजिप्टएयर भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती है।

हमारा भविष्य कंपटीशन से नहीं,कोऑपरेशन से तय हो

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत और आसियान देशों के बीच बेहतर सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र का भविष्य प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग से तय होना चाहिए। साथ ही,उन्होंने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच शांति और स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और आसियान मिलकर दुनिया की लगभग एक-चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनमें इस क्षेत्र को शांति और स्थिरता का प्रतीक बनाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, इस संदर्भ में हमारी थीम अच्छी है।



इस साल यह मेरी किसी आसियान देश की तीसरी यात्रा- प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और आसियान के बीच बढ़ती कनेक्टिविटी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत और नौ आसियान देशों के बीच सीधी उड़ानें और बढ़ता पर्यटन, दोनों के बीच मजबूत साझेदारी को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, इस साल यह मेरी किसी आसियान देश की तीसरी यात्रा है। यह दिखाता है कि भारत के लिए आसियान का कितना विशेष महत्व है। हमारा मानना है कि भारत का विकास और आसियान की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। 'आसियान कम्युनिटी विजन 2045' और 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये दोनों साझा लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने आसियान की एकता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

लगभग 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 2014 से अब तक हमने पीपल-टू-पीपल टाइज मजबूत करने के लिए 100 से अधिक पहल की हैं। लगभग 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए हैं और 10000 कैपेसिटी बिल्डिंग स्कॉलरशिप दी हैं। आज भारत और आसियान देशों के बीच डायरेक्ट फ्लाइट्स और बढ़ता पर्यटन भी हमारी निकटता का प्रमाण है।

माफी दिल से मांगें, दिमाग से नहीं, सुप्रीम कोर्ट की संजय राउत को नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका के खिलाफ कथित टिप्पणियों को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत को नसीहत दी है। आपराधिक अवमानना की कार्यवाही पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि माफी दिल से आनी चाहिए, दिमाग से नहीं। कोर्ट ने राउत को अनुभवी नेता और सांसद बताते हुए सार्वजनिक बयान देते समय संयम बरतने की सलाह दी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबी) की ओर से पत्रकार निखिल वागले और संजय राउत के खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना याचिका से जुड़ा है। दोनों पर न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणी करने का आरोप है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पांचोली की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस कुमार ने कहा कि इतने गंभीर मामले में माफी दिल से आनी चाहिए, न कि दिमाग से। उन्होंने राउत से कहा कि वह एक अनुभवी राजनेता और सांसद हैं। अदालत उनके भाषण पहले से सुनती रही है।



2 सड़क हादसों में 13 लोगों की मौत



ऋषिकेश, रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह दो सड़क हादसों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 31 लोग घायल हुए हैं। पहला हादसा टिहरी जिले में ऋषिकेश-बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर गूलर के पास हुआ। यात्रियों से भरी बस करीब 100 मीटर नीचे नदी में गिर गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 साल की बच्ची समेत 25 लोग घायल हुए हैं। इससे पहले एम्स के डॉक्टरों ने 10 लोगों की मौत होने की जानकारी दी थी, लेकिन बाद में एसपी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने 9 मौतों की पुष्टि की। दूसरा हादसा रुद्रप्रयाग की क्यूंजा घाटी में हुआ। यहां 4 लोगों की मौत हो गई है।

उत्तराखंड में हादसा, एमपी-यूपी के 2-2 लोग शामिल

दूसरी घटना में खाई में गिरी बोलेरो, 31 फीसदी हादसे बढ़े



पेड़-पत्थरों से टकराती हुई नीचे जा गिरी बस

हादसे में घायल यात्रियों ने बताया कि बस की रफ्तार बहुत तेज थी। पुल से पहले अचानक से क्या हुआ समझ नहीं आया। बड़े-बड़े पेड़ों और पत्थरों से टकराते हुए बस खाई में गिरती जा रही थी। बस के अंदर सभी यात्री एक-दूसरे के ऊपर गिर रहे थे। चारों ओर चीख मची हुई थी। कुछ ही सेकेंड में तेज आवाज हुई हमारी बस जमीन पर गिरी। बस पूरी टूट चुकी थी। कई लोग घायल थे। कुछ लोग मर चुके थे। लोग बस से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्व का एक ही मकसद भाईचारा और ईश्वर पर विश्वास रखना है

(लेखक- संजय गोस्वामी)

हर पर्व का एक ही मकसद है आपसी भाईचारा व आपस में प्रेम और ईश्वर पर श्रद्धा रखना लेकिन यह भी देखने को मिलता बढ़िया से बढ़िया करने की होड़ ताकि मेरा बाहबाही हो सके और मेरा पताका लहरे आप भगवान राम से सीखें जिसके राज़ पाठ की तैयारी हो रही है उसे 14 वर्ष के वनवास मिलता है जिसे वो पिताजी ही नहीं माता कैकई का भी आदेश समझते हैं अपनी इक्छा त्याग कर दि और 14 वर्ष के वनवास के लिए चल दिए साथ आई माता सीता और भ्राता लक्ष्मण जिसे उसकी आज्ञा नहीं मिली लेकिन उन्होंने उन्हें दिलासा या रोने से अच्छा साथ चलना तय किया, इससे आपको यह सीख मिलती है कि आप किसी के दु:ख में साथ चलकर ही आपकी असली परीक्षा होती है आजकल लोग इतना परेशान क्यों हैं किसी पर आफत आई तो मोबाइल या व्हाट्सप्प से दु:ख जाता दिया लेकिन उसके साथ नहीं गए मान लीजिये आपके सामने क़ोई एक्सीडेंट से गिर गया और खून निकल रहा है तो आप उसके परिवार से बात कर और उसे गुस्सा दिलाएंगे इसलिए आपको तुरंत पहले उसे किसी नजदीकी अस्पताल में भर्ती करना चाहिए जो आप करेंगे तो उसका भला होगा, अधिकांश लोगों में याद करें क़ोई आखिर प्रेम एक दूसरे से टूटता क्यों है इसका सबसे बड़ा कारण आशा, आशा के अनुरूप आपका हक़ नहीं मिला तो निराशा हो जाता है मान लीजिये किसी ने पूर्ण कॉन्फिडेंस से कहा आपको लड़का ही होगा और लड़की हुई आप निराश हो गए फिर लोगों का ताना ऐसे लोगों से संपर्क काट दीजिये, भगवान राम का ध्यान कीजिये शांति मिलेगी आखिर अयोध्या में कितने लोग थे क़ोई और क्यों नहीं गया क्योंकि लोगों को मालूम ही नहीं था भगवान विष्णु ने रावण का संहार करने के लिए मनुष्य के रूप में जन्म लिया है जब भी पृथ्वी पर संकट आया तो ब्रम्हा, विष्णु, महेश आपस में एक जुट हुए और भगवान विष्णु बुद्धि में काफी चतुर थे जब रावण के अधर्म से सभी साधु संत, हवन पूजा पाठ नहीं कर पा रहे थे रावण का संहार करने क़े लिए भगवान विष्णु ने ही कहा मैं राजा दशरथ के घर में आम मनुष्य की तरह राम के रूप में जन्म लूंगा और उसका संहार करूँगा क्योंकि रावण मनुष्य को तुकक्ष समझकर उसे इतना कमजोर समझ लिया कि उसका संहार वो कर नहीं सकता है और ये ही भूल उसके मौत का कारण बनेगी और धर्म की स्थापना होंगी अत: उन्होंने ही राम के रूप में जन्म लिया और अंत में उसका संहार किया इसलिए धर्म है तभी किसी को परेशान करने की सज़ा बीमारी के रूप में मिलती है लोग क्या कहँगे उस बात को ध्यान ना डो आज वर्ष 2026 चल रहा है उससे पहले भी हजारों वर्ष होंगे और आप औसतन 75-85 वर्ष ही ज़ी पाते है इसलिए जब उम्र 50-55 का हो तो भगवान राम को जानने की कोशिश कीजिये क्योंकि उसे पाने के लिए भी आपको 20-25 साल लग जायेंगे और यदि आप उस समय नहीं ध्यान दिए तो अंत में इतना समय नहीं होगा कि राम का भी सही से उच्चारण होगा मरते दम तक आदमी यही सोचता है अभी और जियेंगे लेकिन हकीकत उसकी उलटी है माया से आपके आँखों पर पट्टी बँधी है इसलिए अब तो अपनी आँखे खोलो और अपना भविष्य खुद तय करो

आप सोचते हैं जिस संकट सै शायद आप मैं गुजरा है दूरसा रहता तो भाग जाता, किसी निवास स्थान पर सिलिंडर में आग लगा लोग यही सोचते हैं मुझे फ्रीज़ टी वी, पलंग, आदि भौतिक वस्तु की चिंता है और उसमें आपका विवेक शून्य हो जाता है और बुझाने के चक्कर में आप इतना भी नहीं सोचते आग है इससे खेल नहीं करना चाहिए देवता है प्रणाम कर बाहर निकल जायेंगे तो बच जायेंगे एक उम्र 50-55 क़े बाद तनाव मत लो नार्मल की तरह काम करो क्योंकि आपको आगे दूसरी और समस्या आएगी और वों शायद ज्यादा जरुरी होगा एक आदमी लगभग इसी उम्र में किसी सरकारी कार्यलय में पदोन्नति हेतु 2महीने की छुट्टी ले लिया और मैं पूछा उससे क्या होगा प्रमोशन होगा पैसा बढ़ेगा भाई साहब अब पैसा बढ़ भी गया तो क्या होगा, तुरंत कहा बच्चे के लिए काम आएगा मैंने पूछा आपका बच्चा कितना प्रेम करता है बोला नहीं सब अपने मन का है मैंने बोला भाई तनाव होगा नींद नहीं आएगी और दुनिया इतनी बेबकूफ नहीं है कि आपको आसानी से यह मिल जाएगा अत: भगवान राम का ध्यान करो बच्चों को भी संस्कार डो देखो राम कैसे आपका तकदीर बदल देगा क्योंकि वही एक परमात्मा है जिसने मर्यादा का पालन करना और अन्याय के खिलाफ लड़ेगा डरने नहीं देगाआपकी सबसे बड़ी कमजोरी है डर जो या तो डाकियानुसी सोच के कारण है या फिर गन्दे और घटिया वातावरण के कारण है भगवान इतना देगा कि आप ले नहीं सकोगे वों थोड़ा सा ज्यादा के लिए आपको नाको चना चबाने पर मजबूर कर देगा और यदि 1परसेंट भी चांस नहीं होने का होगा तो आप पर क्या बीतेगी इसलिए आप शांति से सामान्य काम करते हुए लोककल्याण हेतु अपना समय दे अधिकतर समय माता पिताजी की सेवा में लगा दे क्योंकि यही एक सही अवसर है जिसमें आप उनकी सेवा कर रहे होंगे प्रमोशन उस तरह नहीं जब माता का भंडारा लगता है सब माँ का भजन कीर्तन करते हैं जब प्रसाद खाना होता है तो माँ ये नहीं देखती यह खुब भजन किया हैं इसलिए ये ज्यादा खायेगा और जब कुछ भी नहीं बोला वों कुछ नहीं खायेगा अत: वहाँ सच्चा ईश्वर है जो किसी से भेदभाव नहीं करता है और यदि किसी के जिहजूरी से मिल भी गया तो अहसान लेने की क्या जरुरत है आप स्लीपर में बैठते हो तो क़ोई ये नहीं पूछता है की आप स1 में हो या स-12 बौगी में या आगे सिट है या पीछे उससे क़ोई फर्क नहीं पड़ता, इसलिए सोच को बदलो समय के साथ चलो और उतना ही करो जितना कर सकते हो दूसरे को भी करने का मौका डो भले ही किसी ने पैर फैलाकर बैठ कर फेल कर दिया क्योंकि वो समय तुम्हारा नहीं था जब समय का पहिया घूमेगा तो उसे भी कभी इसी समस्या से जूझना पड़ेगा जब अस्पताल में अपने जीवन का अंतिम समय नजदीक आएगा इसलिए चिंता अब तुम्हे नहीं अब उसे काटने की जरुरत क्योंकि काल आज ना कल उसके पास आएगा.आखिर रावण क्यों मारा गया क्योंकि दूसरे की बात में आकर अपने विवेक से काम नहीं लिया जो बहन सूर्पनखा ने कहा उसी पर विचार कर अधर्म का सबसे बुरा मार्ग पर चल कर विवेक खो दिया,एक दिन, ऋषि विश्वामित्र दशरथ के पास आते हैं और उनसे कहते हैं कि वे राम को अपने साथ ले जाना चाहते हैं, ताकि एक यज्ञ के दौरान उनकी सुरक्षा की जा सके। राम को 14 वर्ष का वनवास से राजा दशरथ का मन अत्यंत दुखी हो जाता है, वे अपने पुत्र शोक में दु:खी होकर प्राण त्याग देते हैं लेकिन वो राम के साथ लक्ष्मण को भी भेज देते हैं। राम के साथ यात्रा करते हुए, विश्वामित्र उन्हें ताड़का नाम की एक राक्षसी की कहानी सुनाते हैं, जो यात्रियों को खा जाने की धमकी देती है। विश्वामित्र राम को उस राक्षसी का वध करने का निर्देश देते हैं। राम ऐसा ही करते हैं, और देवता विश्वामित्र से कहते हैं कि वे राम को अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान दें। यज्ञ स्थल पर पहुँचने से पहले, विश्वामित्र लड़कों को कई और कहानियाँ सुनाते हैं। जब ऋषि-मुनि यज्ञ शुरू करते हैं, तो राम उन्हें सुरक्षा का आश्वासन देते हैं और अपने धनुष से वहाँ आए राक्षसों पर बाण चलाते हैं। इसके बाद, विश्वामित्र लड़कों को मिथिला नगरी ले जाते हैं। जब वे नगर में प्रवेश करते हैं, तो राम की नज़र बालकनी में खड़ी एक सुंदर युवती, सीता पर पड़ती है, जिसे देखते ही उससे प्रेम हो जाता है। अगले दिन, राम की भेंट राजा जनक से होती है। जब जनक राम को देखते हैं, तो उन्हें अफ़सोस होता है कि राम उनकी बेटी से विवाह नहीं कर सकते। इसलिए, वे एक शर्त रखते हैं कि जो भी उनकी पुत्री से विवाह करना चाहता है, उसे भगवान शिव के विशाल धनुष को उठाना होगा और उस पर प्रत्यंचा (डोरी) चढ़ानी होगी। विश्वामित्र पूछते हैं कि क्या राम उस धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाने का प्रयास कर सकते हैं। राम न केवल धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाते हैं, बल्कि उसे तोड़ भी देते हैं। एक दासी सीता को यह बात बताती है, और यह जानकर कि राम ने उन्हें जीत लिया है, सीता अत्यंत प्रसन्न हो जाती हैं। जनक, दशरथ को मिथिला में होने वाले विवाह समारोह में आमंत्रित करते हैं। समारोह के बाद, वे कोसल राज्य की राजधानी अयोध्या लौट आते हैं। देवदत्त पटनायक कहते हैं, सीता इसलिए घरेलू और पतिव्रता हैं क्योंकि राम उन पर ध्यान देते हैं। ताड़का इसलिए उग्र स्वभाव की हैं क्योंकि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है और उनका किसी एक पुरुष से कोई संबंध नहीं है। ठीक वैसे ही, जैसे खेत को संभालने की पूरी जिम्मेदारी किसान पर होती है।

राम और सीता के विवाह के बारह वर्ष बीत जाने पर, दशरथ राम का राज्याभिषेक करने की इच्छा व्यक्त करते हैं। इस महत्वपूर्ण घटना की पूर्व संध्या पर, कैकेयी उन दो वरदानों की मांग करती हैं, जो दशरथ ने उन्हें बहुत पहले देने का वचन दिया था। वह मांग करती हैं कि राम को चौदह वर्षों के लिए वनवास भेज दिया जाए और उनके पुत्र को राज्य का उत्तराधिकारी बनाया जाए। राम अपने पिता के इस कठिन निर्णय को अत्यंत संयम और धैर्य के साथ स्वीकार कर लेते हैं; यह उनके नैतिक चरित्र को दर्शाता है, जो पूरी कथा में बना रहता है। उनके साथ सीता और लक्ष्मण भी चल पड़ते हैं। जब राम, सीता से उनके साथ न आने के लिए कहते हैं, तो वह उत्तर देती हैं, जिस वन में आप रहेंगे, वही मेरे लिए अयोध्या है; और आपके बिना अयोध्या मेरे लिए किसी नर्क से कम नहीं है। रामायण, जो महाभारत के साथ प्राचीन भारत के दो प्रमुख महाकाव्यों में से एक है, हिंदू इतिहास (पौराणिक गाथा) का हिस्सा है। इसकी कथा में राम का सीता और लक्ष्मण के साथ वनों में भ्रमण करना, रावण (लंका के दुष्ट राजा) द्वारा सीता का अपहरण, जिसके परिणामस्वरूप युद्ध हुआ, और अंत में राम का अयोध्या लौटना शामिल है।

राम, लक्ष्मण और सीता अयोध्या से बहुत दूर चले जाते हैं ताकि लोग उन्हें वापस लौटने के लिए मनाने न आएं। वहां उनकी भेंट जटायु से होती है, जो एक विशाल गिद्ध और दशरथ के मित्र थे। वे राम को वचन देते हैं कि जब तक वे वनवास से वापस नहीं लौट आते, तब तक वे उनकी रक्षा करेंगे। एक दिन, राम देखते हैं कि एक सुंदर स्त्री (जो वास्तव में रावण की बहन शूर्पणखा है, जिसने भेष बदल रखा है) उनके निवास स्थान की ओर आ रही है। वह राम को रिझाने और उनसे विवाह करने का प्रयास करती है, लेकिन राम उसे अस्वीकार कर देते हैं। शूर्पणखा ने रात बहुत पीड़ा में बिताई और अगली सुबह उसने तय किया कि अगर वह सीता को मार दे, तो राम उससे प्रेम करने लगेंगे। अगले दिन जब राम अपने निवास (पंचवटी के जंगल) से बाहर गए, तो शूर्पणखा ने सीता का पीछा किया और उन पर झपट पड़ी। लक्ष्मण ने सीता को बचाया और शूर्पणखा की नाक काट दी। अपमानित और लज्जित होकर, शूर्पणखा रावण के दरबार में पहुँची और उसे पूरी घटना बताई। उसने रावण से कहा कि सीता अत्यंत सुंदर हैं और उसे सीता को अपने लिए ले आना चाहिए और रावण ने उसकी बात को मानकर बिना सोचें समझें उसी रास्ते पर चल दिया जो उसके विनाश का कारण बना, और अधर्म के रास्ते पर चल दिया और अपनी शक्ति धीरे धीरे खोने लगा और भगवान राम के हाथों मारा गया और धर्म की स्थापना हुई धर्म नियम विवेक और न्याय पर टीका है जबकी अधर्म दुराचार, कट्टरता अन्याय से किसी एक के द्वारा बांधा जाता है जिसमें अन्याय करने पर भी सज़ा नहीं मिलती है इसलिए भगवान राम ने रावण को मारकर धर्म की स्थापना की राम पहले भी था आज भी है और अनन्त काल तक रहेगा। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

एआई के संकल्प

ऐसे वक्त में जब दुनिया में तकनीकी वर्चस्व वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आ गया है, 'सैन 'फ्रांसिस्को घोषणा' के गहरे निहितार्थ और महत्व को समझना कठिन नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घोषणा पर अमेरिका और भारत सहित नौ अन्य विकसित देशों ने हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता इस बात पर जोर देता है कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बल पर ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर घोषणा का एक अघोषित उद्देश्य इस उभरती हुई नई प्रौद्योगिकी में चीन के निरंतर बढ़ते दबदबे का मुकाबला करना भी है। चीन ने एक सुनियोजित ढंग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में व्यापक और दीर्घकालीन निवेश किया है। इसमें दो राय नहीं कि उसकी उपलब्धियां अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने वाली हैं। यही वजह है कि अमेरिका ने 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' को हकीकत बनाने को प्राथमिकता दी है। अमेरिका दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका के चलते इस दौर को 'सुपर इंटेलिजेंस युग' का नाम देता है। अमेरिका की 'पैक्स सिलिका' पहल एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करती है कि दुनिया का कोई भी देश अकेले बूते पर बेहद जटिल प्रक्रिया वाले एआई इकोसिस्टम की हर कड़ी को सुरक्षित नहीं कर सकता है। उदाहरण के तौर पर देखें तो महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर ऊर्जा नेटवर्क और डिजिटल बुनियादी ढांचे तक, तकनीकी प्रगति आपस में जुड़ी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर करती है। इस श्रृंखला में किसी भी तरह का अवरोध किसी भी देश के आर्थिक ढांचे को गहरे तक प्रभावित कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इन नेटवर्कों में यदि किसी भी तरह का व्यवधान पैदा होता है तो उसके दूरगामी आर्थिक और भू-राजनीतिक दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। जो किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिये, इस सुपर इंटेलिजेंस युग वाले दौर में तमाम चुनौतियां खड़ी कर सकता है। निश्चित रूप से 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' पर भारत का हस्ताक्षर करना एआई के दौर में हमारी उपलब्धियों की वैश्विक स्वीकार्यता का ही परिचायक है। भारत के लिए अमेरिका और अन्य विकसित देशों के साथ शामिल होना जहां एक ओर अच्छा रणनीतिक अवसर है, वहीं देश को जिम्मेदारियों का अहसास भी कराता है। भारत हालिया वर्षों में एक उभरते हुए टेक्नोलॉजी बाजार के रूप में सामने आया है। भारत की महत्वाकांक्षा वैश्विक सेमीकंडक्टर और मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की रही है। हाल के वर्षों में भारत ने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और कई मध्यपूर्व के देशों के साथ मजबूत व्यापारिक साझेदारियां की हैं। जाहिर तौर पर ये विकसित व मजबूत आर्थिक देश जब कोई साझेदारी करते हैं तो उन्हें कुछ पाने की ही उम्मीद होती है। ऐसे में भारत इन मजबूत साझेदारियों, विभिन्न आपूर्ति श्रृंखलाओं, निवेश और उन्नत तकनीकों का बेहतर ढंग से लाभ उठा सकता है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि इन भरोसेमंद साझेदारों के साथ सहयोग करने से भारत पहले की तरह चंद देशों पर अत्यधिक निर्भरता कम कर सकता है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक देश पर निर्भर रहना आर्थिक संप्रभुता के लिये चुनौती बन सकती है।

आओ प्रकृति के साथी बनें, मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं)

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है

जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सहकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें, का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर हम माननीय केंद्रीय रक्षामंत्री द्वारा कुछ समय पूर्व एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है उन्होंने कहा उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों



के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ प्रकृति के साथी बनें। आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए नागरिकों की सहभागिता मील का पत्थर साबित होगी।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



समता की अनुभूति

मनोबल के विकास का दूसरा सूत्र बताया गया है- स्व दर्शन समता का दर्शन या परमात्मा का दर्शन। प्रांस की यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर अहंकार में आकर बोला, मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आदमी हूं। किसी ने पूछ लिया-यह कैसे? उसने कहा, प्रांस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है। पेरिस प्रांस का सर्वश्रेष्ठ नगर और हमारा विश्वविद्यालय हमारे नगर का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र।

दर्शन का विभाग उसमें सर्वश्रेष्ठ। मैं उसका अध्यक्ष। इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ आदमी। यह कैसा गणित है! हमारी दृष्टि जब दूसरों की ओर जाती है तो यही निष्कर्ष निकलता है कि हम दूसरों को काटते जाते हैं, तोड़ते जाते हैं और दूसरों के संदर्भ में हम अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठापित करते जाते हैं। इसके अतिरिक्त कोई निष्कर्ष निकलता ही नहीं है। जब स्व-दर्शन में आदमी आता है तो उसे अनुभव होता है कि न प्रांस सर्वश्रेष्ठ, न पेरिस सर्वश्रेष्ठ, न विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ, न दर्शन का विभाग सर्वश्रेष्ठ और न विभागाध्यक्ष। सब समान है। सब व्यक्ति समान, सब देश समान, सब राष्ट्र समान और सब आत्माएं समान।

जो समता के क्षण में जाता है, उसे यह नहीं लगता कि यह अलग, वह अलग। उसे लगता है कि सब मेरे-जैसे हैं। यह समान ही समान का गणित ऐसा चलता है कि अनन्त में से अनंत निकालो तो भी पीछे अनन्त ही रहेगा। अनन्त में अनन्त मिलाओ तो भी अनन्त ही रहेगा। समता में मिलाते जाओ, निष्कर्ष समता। यह समता की अनुभूति जब जागती है, तब एक विचित्र अनुभव होता है। उसे जगाने का जो सूत्र है, वह मनोबल को जगाने का परम सूत्र होता है।

विचार मंथन

जुगाड़ और ट्रेडिंग से नहीं, रिसर्च और नवाचार से भारत बनेगा आत्मनिर्भर

(लेखक - सनत जैन)

भारत के प्रमुख अर्थशास्त्री और रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भारतीय उद्योग जगत की कार्यप्रणाली पर तीखी टिप्पणी करते हुए, देश की आर्थिक विकास नीति के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है। उनका कहना है, भारतीय कंपनियां रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर पर्याप्त ध्यान नहीं देतीं हैं। वे नए आविष्कार और तकनीक विकसित करने के बजाय जुगाड़, ट्रेडिंग और दूसरे देशों की तकनीक के सहारे कारोबार करना अधिक पसंद करती हैं। उनकी यह टिप्पणी भारतीय अर्थव्यवस्था की उन कमजोरियों को उजागर करती है, जिन पर लंबे समय से गंभीरता से विचार करने की जरूरत थी। विचार तो किया गया लेकिन उन्हें अमली जामा नहीं पहनाया गया। 1980 के दशक तक भारत के पास संसाधनों और विदेशी मुद्रा की कमी थी। उस समय जुगाड़ भारतीय उद्योगों की मजबूरी थी। लेकिन 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद देश के सामने वैश्विक बाजार के दरवाजे खुल गए। पूंजी, तकनीक और व्यापार के अवसर बढ़े। इसके बावजूद भारतीय उद्योगपतियों और सरकार की सोच में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। चीन ने इसी दौर में अनुसंधान, तकनीकी विकास, विनिर्माण और निर्यात को अपनी आर्थिक नीति का आधार बनाया, वहीं भारत विदेशी उत्पादों और तकनीकों का बाजार बनकर रह गया। भारत में बाजारबाद और भौतिक सुख-सुविधाओं की नई बयार बहने लगी। इसका असर अमीरों और गरीबों पर समान रूप से पड़ा। भारत इसी में फंसकर अपने मूल उद्देश्य को भूल गया। सूचना प्रौद्योगिकी इसका बड़ा उदाहरण है। भारत में भारतीय भाषाओं के लिए तकनीक विकसित करने की दिशा में सी-डैक जैसे संस्थानों ने महत्वपूर्ण काम किया। बाद के वर्षों में माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और दूसरी विदेशी कंपनियों पर हमारी निर्भरता बढ़ती चली गई। हमने अपनी जरूरतों के अनुरूप स्वतंत्र तकनीकी विकास और अनुसंधान को प्राथमिकता नहीं दी। उल्टे भारतीय कंपनियों को प्राथमिकता देने के स्थान पर उन्हें नजरअंदाज किया। दौड़ में शामिल होने का मौका नहीं दिया। नतीजा यह हुआ कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपार संभावनाएं होने के बावजूद भारत अपनी मौलिक तकनीक और वैश्विक स्तर के उत्पाद विकसित करने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सका। माइक्रोसॉफ्ट के आने के बाद भारत के हजारों सॉफ्टवेयर इंजीनियर बेरोजगार हो गए, जो कंपनियाँ थी, वह बंद हो गई। सॉफ्टवेयर इंजीनियर विदेशों में चले गए।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी यही स्थिति दिखाई देती है। मारुति का उदाहरण सामने है, जिसका आधार जापानी कंपनी सुजुकी की तकनीक और साझेदारी रही। भारतीय कंपनियां घरेलू बाजार में कारोबार बढ़ाती रहीं, लेकिन अपनी तकनीक और ब्रांड के दम पर वैश्विक बाजार में बड़ी पहचान बनाने के प्रयास सीमित रहे। आज भी भारत में बनी कार विदेश में सुजुकी के नाम से ही बेची जाती है, उसकी पहचान आज भी जापानी है। ऊंचे आयात शुल्क और संरक्षणवादी नीतियों ने कई बार प्रतिस्पर्धा को भी सीमित किया। परिणामस्वरूप कंपनियों को नई तकनीक विकसित करने का दबाव नहीं बना सरकार ही उनका वित्त पोषण करती रही। भारत के निर्यात आंकड़ों को भी इसी दृष्टि से समझने की जरूरत है। कच्चा तेल आयात करके रिफाइन करना और फिर पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करना, व्यापार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसे मौलिक तकनीकी क्षमता और विनिर्माण की सफलता का पूरा प्रमाण नहीं माना जा सकता है। भारत में कच्चे तेल उत्पादन और वैकल्पिक ऊर्जा के लिए कोई प्रयास नहीं किए गए। इसी तरह चीन से कच्चा माल और रसायन आयात करके दवाइयां बनाना उपयोगी औद्योगिक गतिविधि है, नई दवाओं, मशीनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत तकनीक के अनुसंधान में आत्मनिर्भरता हासिल करना आज भी सबसे बड़ी चुनौती है। चीन से हम भगवान और देवी देवताओं की मूर्तियां आयात करते हैं। चीन हमारी सामाजिक और धार्मिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए चीजें बनाकर भारत भेजता है। भारत उसका भी मुकाबला नहीं कर पा रहा है। विडंबना यह है कि भारत के पास विशाल युवा आबादी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, इंजीनियर और उद्यमी हैं। इंफोसिस जैसी कंपनियों ने दुनिया में भारतीय प्रतिभा की पहचान बनाई, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अत्याधुनिक तकनीक के क्षेत्र में कोई काम नहीं किया। हमें समय रहते मौलिक अनुसंधान को प्राथमिकता देनी होगी। केवल विदेशी तकनीक अपनाकर सेवाएं देने से भविष्य की ज़रूरतें और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में हम कहीं टिक नहीं पाएंगे। सरकार की नीतियों और नौकरशाही की कार्यप्रणाली में भी बदलाव जरूरी है। उद्योगों को अनावश्यक नियंत्रण, भ्रष्टाचार और लालफीताशाही से मुक्त करना होगा। कंपनियों को अपने मुनाफे का एक हिस्सा अनुसंधान और विकास पर खर्च करने के लिए प्रोत्साहित कर जिम्मेदारी तय करनी होगी। विश्वविद्यालयों, वैज्ञानिक संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाना होगा। चीन की आर्थिक एवं सामरिक प्रगति से हमें बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने अमेरिकी बॉन्ड में भारत का 38.4 अरब डॉलर का निवेश

अमेरिका में 220 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली ।

भारत ने अमेरिकी सरकारी बॉन्ड (यूएस ट्रेजरी) में अपना निवेश तेजी से बढ़ाया है। अगस्त 2026 तक अमेरिकी बॉन्ड में भारत का निवेश बढ़कर 219.7 अरब डॉलर यानी 220 अरब डॉलर हो गया है। मई 2026 में यह निवेश 181.3 अरब डॉलर था। इस तरह महज तीन महीने में भारत ने अमेरिकी बॉन्ड में 38.4 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश किया है। यह करीब 21 प्रतिशत की वृद्धि है। भारतीय बैंकों में विदेशी मुद्रा अनिवासी जमा के जरिए बड़ी मात्रा में डॉलर आने से विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत हुआ है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय स्थिति को मजबूती मिली है. दूसरे देशों की संपत्तियों में निवेश की क्षमता बढ़ी है।

सरकार ने डीजल, विमान ईंधन के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया

नई दिल्ली।

देश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि का अनुचित लाभ रोकने के उद्देश्य से सरकार ने 16 नवंबर से डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा दिया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, अब विमान ईंधन के निर्यात पर 12.5 रुपये प्रति लीटर (पहले 11 रुपये) और डीजल के निर्यात पर 14 रुपये प्रति लीटर (पहले 11.5 रुपये) का विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगेगा। वहीं, पेट्रोल के निर्यात पर यह शुल्क शून्य ही रखा गया है। यह नया शुल्क तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यह कर पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ी कच्चे तेल की कीमतों के बीच निर्यातकों को अनुचित लाभ उठाने से रोकने और घरेलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने के लिए लगाया गया है। सरकार हर पखवाड़े इसकी समीक्षा करती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल की खुदरा दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सिप्ला पर डीआरआई का छापा

नई दिल्ली ।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने आयातित दवाओं के वर्गीकरण और छूट से संबंधित एक मामले में फार्मा कंपनी सिप्ला के मुंबई स्थित विक्रोली कार्यालय और ठाणे के भिवंडी स्थित गोदाम पर तलाशी अभियान चलाया।कंपनी ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को दी गई जानकारी में बताया कि यह तलाशी सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 105 के तहत ली गई थी। सिप्ला ने अधिकारियों को पूरा सहयोग देने की बात कही है। कंपनी के अनुसार, इस कार्रवाई का उसके वित्तीय प्रदर्शन या परिचालन पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा है।

भारतीय आसमान में नए विमानों की बहार, 1000 और विमानों का ऑर्डर जल्द

नई दिल्ली ।

भारत में हवाई यात्रा के बढ़ते चलन के बीच देश की एयरलाइन कंपनियां जल्द ही 1,000 और सिविल एयरक्राफ्ट का ऑर्डर देने की तैयारी में हैं।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मिस्र दौरे पर यह जानकारी दी, साथ ही बताया कि देश को 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है। पीयूष गोयल ने बताया कि भारत ने अब तक 1,200 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए हैं, लेकिन बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 2,000 से ज्यादा विमानों की आवश्यकता होगी। इसी को देखते हुए अतिरिक्त 1,000 विमानों का ऑर्डर देने की तैयारी है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है, जहां हवाई यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे विमानों की कमी महसूस हो रही है। मंत्रालय मौजूदा ऑर्डर की त्वरित डिलीवरी के लिए एयरबस और बोइंग जैसी कंपनियों से संपर्क में है, क्योंकि डिलीवरी में लंबा समय लगता है। इसके साथ ही, भारत विमानों के घरेलू निर्माण को भी बढ़ावा दे रहा है। एयरबस की भारत में दो असेंबली लाइनें हैं और बोइंग व एयरबस देश से सालाना 2 अरब डॉलर के कलपुर्जे भी खरीदते हैं। ब्राजील की एम्ब्रेयर और अदाणी ग्रुप भी क्षेत्रीय विमानों के निर्माण की संभावना तलाश रहे हैं। इन नए विमानों से एयरलाइंस को उड़ानें बढ़ाने और भारत-मिस्र जैसी अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, जिससे यात्रियों को व्यापक विकल्प उपलब्ध होंगे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 427, निफ्टी 96 अंक ऊपर आया



मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें घटने से भी बाजार में उत्साह का माहौल है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 427.40 अंक उछलकर 82,532.19 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसस निफ्टी 50 96.30 अंक की बढ़त के साथ ही 25,387.40 पर पहुंच गया।

आज निफ्टी में अदाणी एंटरप्राइजेज, आयशर मोटर्स, मैक्स हेल्थ, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक और एम एंड एम के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे, जबकि एचसीएल टेक्नोलॉजीज, पावर ग्रिड कॉर्प, एचडीएफसी लाइफ, ओएनजीसी, कोल इंडिया, इंफोसिस और टीएमपीवी के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

वहीं व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी आई जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.22 फीसदी की गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी बैंक में सबसे ज्यादा 1.13 फीसदी की तेजी आई, और से अपने शीर्ष स्तर 62,442.20 पर पर पहुंचा।

वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.94 फीसदी, निफ्टी ऑटो में 0.72 फीसदी, निफ्टी मीडिया में 0.64 फीसदी और निफ्टी मेटल में 0.58 फीसदी का उछाल आया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 82349 और निफ्टी 25358 तक उछले।

रुपया बढ़त के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 45 पैसे की बढ़त के साथ ही 93.49 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 31 पैसे मजबूत होकर 93.63 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, विदेशी पूंजी के मजबूत प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से घरेलू मुद्रा को बल मिला। इससे अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.72 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में बढ़त दर्ज करते हुए 93.63 प्रति डॉलर पर पहुंच गया ये पिछले बंद भाव के मुकाबले 31 पैसे की बढ़त है। वहीं इससे पहले रुपया सोमवार को 25 पैसे मजबूत होकर 93.94 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 103.50 पर आ गया।

भारतीय बागवानी में बंपर उछाल, 2025-26 में रिकॉर्ड उत्पादन का अनुमान

रकबा घटने के बावजूद 38.69 करोड़ टन उत्पादन की संभावना

नई दिल्ली ।

भारत का बागवानी उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में रिकॉर्ड 38.69 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 37.07 करोड़ टन से 4.36 प्रतिशत अधिक होगा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को सरकार का तीसरा अग्रिम अनुमान जारी करते हुए यह जानकारी दी। यह वृद्धि ऐसे समय में अनुमानित है जब बागवानी फसलों का कुल रकबा एक साल पहले के 3.01 करोड़ हेक्टेयर से घटकर 2.97 करोड़ हेक्टेयर रहने की संभावना है। कृषि मंत्री चौहान ने इस अभूतपूर्व वृद्धि का श्रेय किसानों के पारंपरिक खेती से हटकर फल, सब्जियां, फूल, मसाले और औषधीय पौधों जैसी व्यावसायिक फसलों की ओर बढ़ते रुझान तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की किसान-हितैषी नीतियों को दिया। उन्होंने कहा कि यह रुझान न केवल किसानों के लिए आय के नए स्रोत खोल रहा है, बल्कि देश की पोषण सुरक्षा को मजबूत करते हुए कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और प्रगति के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। अनुमानों के अनुसार, 2025-26 में फल उत्पादन 4.60 प्रतिशत बढ़कर 12.30 करोड़ टन और सब्जियों का उत्पादन 4.35 प्रतिशत बढ़कर 22.72 करोड़ टन रहने का अनुमान है।

सेविंग अकाउंट में भी मिलेगा फिक्स्ड डिपॉजिट का धांसू ब्याज!

स्वीप-इन एफडी सुविधा से पाएं अतिरिक्त पैसों पर ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली।

क्या आपके सेविंग अकाउंट में अक्सर कुछ अतिरिक्त पैसे निष्क्रिय पड़े रहते हैं और आप उन पर मिलने वाले कम ब्याज से नाखुश हैं? यदि हां, तो बैंक की स्वीप-इन फिक्स्ड डिपॉजिट सुविधा आपके लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। यह एक ऐसी कमाल की स्कीम है जो आपके बचत खाते में पड़े अधिशेष राशि पर सावधि जमा (एफडी) के समान आकर्षक ब्याज दर प्रदान करती है, और साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर तुरंत पैसे निकालने की लचीली सुविधा भी बनाए रखती है। यह सेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट की बेहतरीन विशेषताओं को एक साथ जोड़ती है। स्वीप-इन एफडी मूलतः आपके सेविंग अकाउंट और एक लिंक की हुई फिक्स्ड डिपॉजिट का एक हाइब्रिड मॉडल है। इसमें बैंक आपके बचत खाते के साथ एक एफडी को जोड़ देता है। इस सुविधा की नींव थ्रेशहोल्ड लिमिट पर टिकी है। यह वह न्यूनतम राशि होती है जिसे बैंक आपके बचत खाते में बनाए रखने के लिए तय करता है। जैसे ही आपके सेविंग अकाउंट का बैलेंस इस तय सीमा से अधिक होता है, अतिरिक्त रकम अपने आप एक फिक्स्ड डिपॉजिट में ट्रांसफर हो जाती है। सबसे खास बात यह है कि यह प्रक्रिया स्वतः होती है, जिससे आपको मैन्युअल रूप से एफडी बनाने की जरुरत नहीं पड़ती।

उदाहरण के तौर पर यदि आपके खाते की थ्रेशहोल्ड लिमिट 25,000 रुपए है और आपके सेविंग अकाउंट में 50,000 रुपए जमा होते हैं, तो अतिरिक्त 25,000 रुपए स्वतः ही एफडी में बदल जाएंगे। अगर भविष्य में आपको 30,000 रुपए की जरुरत है और आपके सेविंग अकाउंट में केवल 20,000 रुपए हैं, तो बाकी 10,000 रुपए सीधे आपकी लिंक एफडी से वापस सेविंग अकाउंट में आ जाएंगे। इस तरह आपके पैसों पर ज्यादा ब्याज भी मिलता है और वे जरूरत पड़ने पर आसानी से उपलब्ध भी रहते हैं। इस सुविधा का सबसे बड़ा आकर्षण अतिरिक्त पैसों पर मिलने वाली ऊंची ब्याज दर है। जहां सामान्य सेविंग अकाउंट पर आमतौर पर 2.5 फीसदी से 3फीसदी तक का ब्याज मिलता है, वहीं स्वीप-इन एफडी के तहत एफडी में ट्रांसफर हुई रकम पर आपको 6.5फीसदी या उससे भी अधिक ब्याज मिल सकता है। आपके अतिरिक्त पैसे पर बिना किसी मैन्युअल हस्तक्षेप के एफडी की उच्च दर से कमाई हो रही है। यह उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो अपने बचत खाते में पड़े पैसों को निष्क्रिय नहीं रखना चाहते।

टीटागढ़ रेल सिस्टम्स-जेफरीज ने बढ़ाया लक्ष्य, 43 फीसदी उछाल की संभावना

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने शेयर का टारगेट प्राइस 1,050 रुपए किया

नई दिल्ली ।

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने रेलवे सेक्टर की कंपनी टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के शेयरों पर अपना भरोसा और मजबूत किया है। ब्रोकरेज ने कंपनी के शेयर का टारगेट प्राइस 990 रुपए से बढ़ाकर 1,050 रुपए कर दिया है और खरीदें रेटिंग बरकरार रखी है। मौजूदा भाव 733.40 रुपए से इसमें करीब 43 फीसदी की तेजी की गुंजाइश दिखती है। जेफरीज के अनुसार, टीटागढ़ के बेहतर वित्तीय नतीजे पैसेंजर कोच की बढ़ती डिलीवरी और नए वैगन ऑर्डर भविष्य में कंपनी की कमाई को सहारा देंगे। सितंबर तिमाही में कंपनी ने 51 पैसेंजर कोच डिलीवर किए, जो पिछली तिमाही से अधिक थे।

इस दौरान पैसेंजर रेल बिज़नेस का राजस्व सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा। कंपनी के पास लगभग 10,800 करोड़ रुपए का पैसेंजर रेल ऑर्डर बुक है, जिसमें



वंदे भारत और मेट्रो प्रोजेक्ट शामिल हैं। वैगन बिक्री में गिरावट के बावजूद, 4,955 वैगन का नया ऑर्डर मिलने से कंपनी की भविष्य की कमाई की संभावनाबेहतर हुई है। टीटागढ़ का रामकृष्णा फोर्जिंग्स के साथ फोर्ज्ड व्हील प्लांट भी दिसंबर 2026 से कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है।

हरित उड़ान को बढ़ावा, सरकार जल्द जारी करेगी सतत विमानन ईंधन नीति का मसौदा

2040 तक 1 करोड़ टन उत्पादन क्षमता और 85 अरब डॉलर निवेश की संभावना

नई दिल्ली ।

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को घोषणा की कि सरकार एक-दो सप्ताह के भीतर सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) नीति का मसौदा जनता की टिप्पणियों के लिए जारी करेगी। यह कदम देश में हरित विमानन को बढ़ावा देने और आर्थिक अवसरों को खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

उद्योग संगठन फिक्की और नागर विमानन मंत्रालय द्वारा आयोजित 'इंडिया सस्टेनेबल एविएशन समिट' में बोलते हुए मंत्री नायडू ने बताया कि एसएएफ देश के लिए बड़े आर्थिक अवसर पैदा करता है। उन्होंने अनुमान लगाया कि भारत में 2040 तक सालाना करीब एक करोड़ टन एसएएफ का उत्पादन करने की क्षमता है, जिसके लिए 70-85 अरब डॉलर (लगभग 5.8 से 7.1 लाख करोड़ रुपये) के भारी निवेश की आवश्यकता होगी।

वैश्विक इस्पात संकट-टाटा स्टील को दोहरी चुनौती,ब्रिटेन और नीदरलैंड से मदद की गुहार

जमशेदपुर ।

वैश्विक इस्पात कारोबार में जारी उथल-पुथल के बीच, टाटा स्टील ब्रिटेन और नीदरलैंड की सरकारों से सक्रिय हस्तक्षेप और वित्तीय सहायता की मांग कर रही है। कंपनी ब्रिटेन में आयातित इस्पात के बड़े भंडार से जूझ रही है, वहीं नीदरलैंड में अपने संयंत्र को हरित इस्पात उत्पादन में बदलने के लिए सरकारी मदद पर निर्भर है। इस वैश्विक संकट का मुख्य कारण चीन की तरफ से जरूरत से अधिक इस्पात की आपूर्ति को बताया जा रहा है। टाटा स्टील के एक अे धिकारी ने बताया कि अमेरिकी और यूरोपीय संघ द्वारा व्यापार बाधाएं बढ़ाने के बाद ब्रिटेन में इस्पात का बड़ा भंडार जमा हो गया था, क्योंकि उस समय वहां आयात पर कोई प्रतिबंध नहीं था। हालांकि अब आयात बंद हो गया है, कंपनी ब्रिटेन सरकार के साथ इस मौजूदा भंडार से निपटने के लिए समर्थन पर विशेष बातचीत कर रही है। इसी के साथ, कंपनी नीदरलैंड में अपने संयंत्र को स्वच्छ इस्पात निर्माण में बदलने के लिए वहां की सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए भी बातचीत कर रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हरित बदलाव सरकारी समर्थन और वित्तपोषण के बिना संभव नहीं है। उन्होंने वैश्विक इस्पात कारोबार में मौजूदा उथल-पुथल का मुख्य कारण चीन की जरूरत से ज्यादा आपूर्ति को बताया।

ग्लोबल मार्केट में शुरू हुई आईफोन डूओ 2 की सेल

नई दिल्ली ।

दिग्गज टेक कंपनी एप्पल के पहले फोल्डेबल स्मार्टफोन की सेल पिछले महीने भारत समेत ग्लोबल मार्केट में शुरू हुई है। इस फोल्डेबल फोन के अगले मॉडल आईफोन डूओ 2 से जुड़ी जानकारियां सामने आने लगी हैं।

ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन ने दावा किया है कि एप्पल अपने नेक्स्ट जेनरेशन आईफोन डूओ पर काम कर रहा है। इसे वी 78 इंटरनल कोडनेम के साथ टेस्ट किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एप्पल के अपकमिंग फोल्डेबल फोन में कंपनी फेस फेस आई और एक्शन बटन भी जोड़ने वाली है। इस फोल्डेबल फोन को अगले साल सितंबर में लॉन्च किया जा सकता है। इस एक्शन बटन को मौजूदा कैमरा कंट्रोल बटन के साथ रिप्लेस किया जा सकता है। मार्क गुरमन ने ये भी दावा किया है कि अपकमिंग फोल्डेबल फोन आईफोन डूओ 2 में कंपनी एक डेडिकेटेड टेलीफोटो कैमरा इस्तेमाल करेगी। इस डिवाइस को मौजूदा आईफोन डूओ के मुकाबले पतला और हल्का बनाया जा सकता है। एप्पल के इंजीनियर्स पहले फोल्डेबल फोन के यूजर्स से मिले फीडबैक के आधार पर ये बदलाव करने वाला है। एप्पल के पहले फोल्डेबल फोन आईफोन डूओ को इस साल सितंबर में लॉन्च किया गया है। इसकी कीमत 2,99,900 रुपये से शुरू होती है। इसके फीचर्स की बात करें तो इसमें 7.6 इंच का सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले दिया गया है। इसके अलावा फोन में 5.4 इंच का कवर डिस्प्ले मिलता है। फोन का डिस्प्ले 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 3000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है। एप्पल के पहले फोल्डेबल आईफोन के डिस्प्ले की प्रोटेक्शन के लिए सिरैमिक शील्ड दिया गया है। यह फोल्डेबल फोन भी आईफोन 18 प्रो सीरीज की तरह ही नए ए20 प्रो चिप के साथ आता है, जो 2एनएम टेक्नोलॉजी पर काम करता है। इसे 256जीबी से लेकर 2टीबी स्टोरेज वेरिएंट्स में पेश किया गया है। आईफोन डूओ के बैक में डुअल कैमरा सेटअप मिलता है। इसमें 48एमपी का फ्यूजन कैमरा दिया गया है। इसके अलावा एक 48एमपी का टेलीफोटो कैमरा मिलेगा, जो 2गुणा ऑप्टिकल जूम को सपोर्ट करता है।

ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी से बढ़ी महंगाई

मुंबई ।

ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी के कारण देश में एक महीने के भीतर थोक कीमतों में महंगाई का स्तर और ऊपर चला गया है। अक्टूबर में थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 12.29 फीसदी पर पहुंच गई, जबकि सितंबर में यह 11.39 फीसदी थी। इसकी सबसे बड़ी वजह ईंधन और बिजली की कीमतों में आई तेजी को माना जा रहा है। वहीं चीजों की महंगाई में मामूली राहत भी मिली है, लेकिन कुल महंगाई के आंकड़े आम लोगों को चिंतित कर रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 113.3 हो गया। सितंबर में यह 112.5 था। इस सूचकांक का आधार वर्ष 2022-23 है। आंकड़े बताते हैं कि ईंधन और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने थोक महंगाई को ऊपर खींचने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। अक्टूबर में ईंधन और बिजली श्रेणी की महंगाई दर बढ़कर 32.84 फीसदी हो गई, जो सितंबर में 25.85 फीसदी थी। इस श्रेणी का सूचकांक भी सितंबर के 110.5 से बढ़कर अक्टूबर में 115.7 पर पहुंच गया। खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण रही।इसके अलावा प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई दर भी बढ़ी है। सितंबर में यह 8.67 फीसदी थी, जो अक्टूबर में बढ़कर 9.24 फीसदी हो गई। वहीं, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर में थोड़ी राहत देखने को मिली। यह सितंबर के 9.76 फीसदी से घटकर अक्टूबर में 9.54 फीसदी पर आ गई। खाद्य महंगाई के मोर्चे पर अक्टूबर में हल्की राहत मिली है। डब्ल्यूपीआई फूड इंडेक्स के मुताबिक, खाद्य महंगाई दर सितंबर के 8.66 फीसदी से घटकर अक्टूबर में 8.58 फीसदी रह गई। इस सूचकांक में प्राथमिक श्रेणी की खाद्य वस्तुओं के साथ विनिर्मित खाद्य उत्पाद भी शामिल होते हैं। हालांकि, खाद्य महंगाई अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। खाद्य वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं, धातुओं, रसायनों, कपड़ों और रबर-प्लास्टिक उत्पादों की कीमतों ने भी थोक महंगाई को बढ़ाने में योगदान दिया। सरकार ने अगस्त 2026 के लिए थोक महंगाई के अंतिम आंकड़े को 9.92 फीसदी पर बरकरार रखा है।

रिमोट वर्कर के 60,000 रुपये के खर्चों ने चौंकाया,युवती खुद हैरान!

रिमोट कॉर्पोरेट वर्कर के साथ कंटेंट क्रिएटर और फ्रीलांसर भी है युवती

नई दिल्ली ।

घर से काम करने की सुविधा और लचीलापन कई युवाओं को अपनी ओर खींचता है, लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि आपके खर्चे भी कम हो जाएंगे? सोशल मीडिया पर एक 25 वर्षीय रिमोट वर्कर युवती ने अक्टूबर महीने के अपने खर्चों का ब्यौरा साझा किया है, जिसने उसे खुद भी हैरान कर दिया। उसके खर्चों का आंकड़ा 60,282 रुपये तक पहुंच गया, जबकि उसे 40-45 हजार रुपये खर्च होने का अनुमान था। युवती, जो एक रिमोट कॉर्पोरेट वर्कर होने के साथ-साथ कंटेंट क्रिएटर और फ्रीलांसर भी है, ने अपने वीडियो में अक्टूबर के खर्चों का पूरा हिसाब दिया। खर्चों में सबसे बड़ा हिस्सा इंस्टामार्ट पर 14,307 रुपये का था, जिसमें ओट्स, चिकन ब्रेस्ट और ग्रीक योगर्ट जैसी चीजें शामिल थीं। घर के खर्चों में योगदान के तौर पर उसने 15,000 रुपये दिए, जिसमें राशन, घरेलू सहायिका आदि शामिल थे।

बाहर से खाना मंगाने और रेस्टोरेंट में खाने पर 5,600 रुपये, जबकि वाई-फाई, बिजली और मोबाइल बिल पर 1,841 रुपये खर्च हुए। परिवहन (रैपिडो, बाइक, पेट्रोल) पर 3,978 रुपये और खुद व मां के लिए शॉपिंग पर 7,255 रुपये खर्च किए गए। सब्सक्रिप्शन, किचन का सामान और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स पर कुल 12,301 रुपये का खर्च आया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रजाउल्लाह और जमाल ने लिए 3-3 विकेट

श्रीलंका की पहली पारी 98 पर सिमटी

नई दिल्ली । पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच रावलपिंडी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार से सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट शुरू हुआ। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला करते हुए श्रीलंका को पहली पारी में 98 रन पर समेटकर मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बहुत खराब रही। टीम ने 6 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवाया और देखते ही देखते ही 36 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा बैठी। इसके बाद कप्तान कुसाल मेंडिस और सोनल दिनुशा ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने छठे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 85 तक पहुंचाया। इस जोड़ी के टूटते ही श्रीलंकाई पारी 35.3 ओवरों में 98 रन पर सिमट गई। मेंडिस 32 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि सोनल ने 21 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने कप्तान बाबर आजम के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही साबित किया। मोहम्मद अब्बास ने 14 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए।



पीसीबी ने शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनाया

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में नियुक्त किया है। शेन डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज से कार्यभार संभालेंगे। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद शेन डिट्ज ने कहा, 'पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। पाकिस्तान क्रिकेट का इतिहास बहुत शानदार रहा है और मुझे याद है कि जब मैं एक युवा खिलाड़ी था, तो 1992 में ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में उन्हें चीयर करता था, जो पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।'

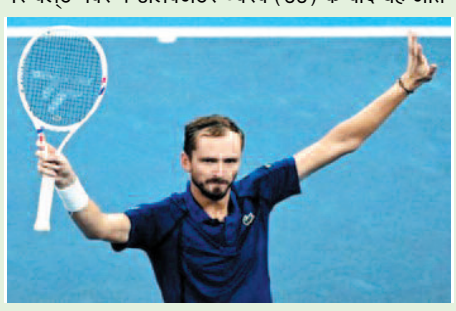
'सैंडपेपरगेट विवाद पर ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले की तरह अब भी विभाजीत': अश्विन



नई दिल्ली ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की लिखी किताब 'सब्र' की रिलीज के बाद से 2018 में केपटाउन टेस्ट के दौरान हुआ सैंडपेपरगेट कांड फिर से चर्चा में है। इस विषय पर ऑस्ट्रेलियाई पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों के बीच एकमत नहीं है। पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। अश्विन ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर गई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के सदस्यों के अलग-अलग बयानों पर भी अपनी राय दी। पूर्व भारतीय स्पिनर ने स्टार स्पोर्ट्स के 'सैंडपेपरगेट : द अनसेटल्ड डिबेट' पर कहा, 'इस किताब में उस्मान ख्वाजा ने अपनी कहानी स्पष्ट तरीके से बताई है। वह सामूहिक जवाबदेही मांग रहे हैं। वह कह रहे हैं कि केवल तीन लोग ही इसके बारे में जानते थे, और भी लोग थे।' उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की मैं एक क्रिकेटर के तौर पर सच में तारीफ करता हूं। उन्होंने उस्मान ख्वाजा के दावों को बेबुनियाद, बकवास और बिना सबूत वाला कहा है। वहीं, डेविड वॉर्नर का बयान ख्वाजा का समर्थन करता है। यह चिंता की बात है, चाहे हम इसे कैसे भी देखें।'

मेदवेदेव ने एटीपी फाइनल्स के पहले मैच में कोबोली को हराया

टयूरिन । डेनियल मेदवेदेव ने इनाल्पी एरिना में स्थानीय खिलाड़ी और डेब्यू कर रहे फ्लेवियो कोबोली को 7-6(4), 6-3 से हराकर अपने एटीपी फाइनल्स कैंपेन की शुरुआत की। मेदवेदेव अपने दूसरे एटीपी फाइनल्स टाइटल की तलाश में हैं। मेदवेदेव ने 2019 से 2024 तक लगातार छह बार एटीपी फाइनल्स में जगह बनाई, जिसमें 2020 का उनका यादगार टाइटल शामिल है। उस मौके पर, उन्होंने ट्रॉफी जीतने के रास्ते में वर्ल्ड नंबर 1 नोवाक जोकोविच, वर्ल्ड नंबर 2 राफेल नडाल और वर्ल्ड नंबर 3 डोमिनिक थिएम को हराया था। 2025 में क्वालिफिकेशन से चूकने के बाद मेदवेदेव ने 2026 सीजन में शानदार वापसी की, चार टूर-लेवल टाइटल जीते और 53 जीत दर्ज कीं। एटीपी टूर पर वर्ल्ड नंबर 1 अलेक्जेंडर ज्वेरेव (66) के बाद यह जीत



की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। चौथी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव का अगला मुकाबला बुधवार को कार्लोस अल्काराज से होगा। इवान लेंडल ग्रुप में 0-1 से पिछड़ने के बाद, कोबोली अब बेरेटिनी, जानिक सिनर और लोरेंजो मुसेट्टी के साथ इस इवेंट में सिंगल्स में जीत दर्ज करने वाले चौथे इटैलियन पुरुष बनने की अपनी कोशिश जारी रखना चाहेंगे। उनका अगला मुकाबला फ्रांसेस टियाफो से होगा।

इससे पहले, दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 6-2 से हराकर इवान लेंडल ग्रुप में 1-0 की बढ़त बना ली थी। अल्काराज साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट में चौथी बार हिस्सा ले रहे हैं। उनका सबसे अच्छा नतीजा पिछले साल आया था, जब वह टाइटल मैच में जानिक सिनर से हार गए थे। स्पेन के 23 वर्षीय खिलाड़ी जबरदस्त फॉर्म में उत्तरी इटली पहुंचे हैं और उन्होंने पिछले महीने पेरिस और वियना में लगातार टाइटल जीते हैं। अल्काराज इस सप्ताह अपने 30वें टूर-लेवल टाइटल और सीजन के छठे टाइटल की तलाश में हैं। कलाई की चोट के कारण वह साल के चार महीने बाहर रहे। अगस्त में यूएस ओपन में वापसी के बाद से उन्होंने अपने 22 में से 20 मैच जीते हैं।

धोनी ने आईपीएल से लिया संन्यास

चेन्नई सुपर किंग्स में अब निभाएंगे नई भूमिका, किस तरह गंभीर की राह पर चले माही

चेन्नई। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया है और अब वह मैदान पर खिलाड़ी के बजाय नई भूमिका में नजर आएंगे। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें आईपीएल 2027 से टीम का मेंटर बनाने का फैसला किया है। हालांकि, उनका फ्रेंचाइजी से जुड़ाव पहले की तरह बना रहेगा।



धोनी के बिना CSK नहीं



चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने धोनी के साथ अपने करीब दो दशक पुराने रिश्ते को याद किया। उन्होंने साफ कहा कि धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग्स की कल्पना नहीं की जा सकती। श्रीनिवासन ने कहा, 'एमएस धोनी के बिना सीएसके नहीं है। करीब दो दशकों से हम एक-दूसरे के साथ आगे बढ़े हैं। इस दौरान हमने सफलता, मुश्किलें और हर तरह के उतार-चढ़ाव साथ देखे हैं।' उन्होंने धोनी के साथ अपने रिश्ते की मजबूती का राज भी बताया। श्रीनिवासन के मुताबिक, दोनों के बीच भरोसा हमेशा सबसे अहम रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारा रिश्ता इतना मजबूत होने की एक ही वजह है- हम एक-दूसरे की नीयत पर सवाल नहीं उठाते। इसी भरोसे ने इस सफर को मुमकिन बनाया है।' श्रीनिवासन ने 2008 में हुए पहले आईपीएल ऑक्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय उन्होंने धोनी को चेन्नई की टीम में शामिल करने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, '2008 में मैंने जोर दिया था कि धोनी सीएसके का हिस्सा होने चाहिए। यह मेरा लिया हुआ सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ। सिर्फ फ्रेंचाइजी के लिए उनकी उपलब्धियों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए भी कि वह एक बेहतरीन इंसान हैं।'

अब खिलाड़ी नहीं, मेंटर की भूमिका में दिखेंगे धोनी

धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चैंपियन बनाया है। उनकी कप्तानी में टीम ने कई यादगार सफलताएं हासिल कीं। अब आईपीएल में उनका सफर बतौर खिलाड़ी खत्म हो गया है। वह टीम के डगआउट में मेंटर की भूमिका निभाएंगे और अपने अनुभव से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। धोनी का चेन्नई के साथ रिश्ता बेहद खास रहा है। वह फ्रेंचाइजी की पहचान बन चुके हैं और उनके फैसलों तथा नेतृत्व क्षमता ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हालांकि, बतौर मेंटर वह गौतम गंभीर की राह पर चल पड़े हैं। गंभीर ने भी आईपीएल से संन्यास लेने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर की भूमिका निभाई थी। उनकी देखरेख में केकेआर अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनी थी। अब धोनी भी सीएसके की खोई हुई साख वापस लाने की कोशिश करेंगे।

ष्टस्च्य मालिक एन श्रीनिवासन ने कही बड़ी बात

चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने भी धोनी के महत्व पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि पूर्व भारतीय कप्तान हमेशा फ्रेंचाइजी की पहचान का अहम हिस्सा रहेंगे। खिलाड़ी के तौर पर उनकी भूमिका भले ही बदल रही है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका जुड़ाव पहले की तरह मजबूत बना रहेगा। धोनी के मेंटर बनने से टीम को उनके लंबे अनुभव का लाभ मिलेगा। खासकर युवा खिलाड़ियों को उनके मार्गदर्शन में खेलने और सीखने का मौका मिलेगा।

न्यूजीलैंड को लगा तगड़ा झटका

मिशेल सेंटनर भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए



नई दिल्ली । भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू हो रही 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को तगड़ा झटका लगा है। अनुभवी ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर दाहिने हाथ में फ्रैक्चर की वजह से टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। सेंटनर को यह चोट रविवार रात माउंट माउंगानुई में भारत के खिलाफ पांचवें वनडे में अर्शदीप सिंह के फेंके बाउंसर से लगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की एक रिलीज के मुताबिक, 'स्कैन से पता चला है कि सेंटनर के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनके शामिल होने की जानकारी सही समय पर दी जाएगी।' टेस्ट सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर की जगह न्यूजीलैंड टीम में स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को शामिल किया गया है। 28 साल के फॉक्सक्रॉफ्ट ने मई में बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेला था। उन्होंने उस मैच में 98 रन बनाए थे। सेंटनर की गैरमौजूदगी में एक स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में ग्लेन फिलिप्स की भूमिका अहम होगी।

चोट सेंटनर की टेस्ट उम्मीदों के लिए एक झटका है, क्योंकि उन्होंने बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स के एक आकर्षक ऑफर को ठुकरा दिया था ताकि वे सभी फॉर्मेट में अपने न्यूजीलैंड करियर पर ध्यान दे सकें। सेंटनर ने उस समय न्यूजीलैंड हेराल्ड से कहा था, 'जब आप आगे की गर्मियों को देखते हैं, भारत यहां सफेद गेंद और टेस्ट के लिए है और



भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीम

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, हेनरी निकोलस, विल यंग, ??डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, ब्लेयर टिकनर।

वेलिंगटन टेस्ट में भारत की प्लेइंग इलेवन पर कप्तान गिल का संकेत

'चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर'

वेलिंगटन । भारत और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार से 2 टेस्ट मैचों की सीरीज वेलिंगटन में शुरू हो रही है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने संकेत दिया है कि टीम इंडिया 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। वेलिंगटन टेस्ट से पहले शुभमन गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने के संकेत दिए। हालांकि, उन्होंने ये स्पष्ट नहीं किया कि चार पूर्ण तेज गेंदबाज होंगे या तीन तेज गेंदबाजों के साथ एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को प्लेइंग इलेवन में जगह दी जाएगी। गिल ने कहा, 'हमने यहां जो टेस्ट मैच देखे हैं, उनमें पहले दो दिन अलग मैच होते हैं और अगले तीन दिन थोड़े अलग मैच होते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, हम एक ऐसा पेस अटैक चाहते हैं जो स्विंग और सीम मूवमेंट के साथ ही पिच के फ्लैट होने की स्थिति में भी प्रभावी हो।' उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से चार तेज गेंदबाजी विकल्प चाहते हैं, लेकिन हम अभी भी तय कर रहे हैं कि वे तेज गेंदबाज कौन से हैं। हमने कई बार तीसरे, चौथे और पांचवें दिन देखा है कि विकेट, खासकर पुरानी गेंद से, थोड़ा फ्लैट हो जाता है, इसलिए हमारी फास्ट-बॉलिंग यूनिट से, हम ऐसा चाहते हैं जिसके पास पेस हो, कोई ऐसा जो लगातार सही एरिया में हिट कर सके, और फिर जाहिर है कि एक छोर से कंट्रोल करने के लिए एक स्पिनर के साथ जाना चाहिए, क्योंकि अगर हवा तेज हो तो हवा के खिलाफ गेंदबाजी करना आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाज की भूमिका लगभग आधी हो जाती है, अगर वो हवा के खिलाफ गेंदबाजी कर रहा हो, इसलिए बहुत सारे फैक्टर हैं जिन पर हम ध्यान देंगे।'

भारत की प्लेइंग इलेवन में



रवींद्र जडेजा अकेले स्पिनर हो सकते हैं, जो नंबर 7 पर बल्लेबाजी करेंगे। टीम में बल्लेबाजी ऑर्डर पर गिल ने कहा, 'हम सात बल्लेबाज देख रहे हैं और फिर आठ और नौ इस पर निर्भर करेंगे। आकाश और अंशुल थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं। अगर हम रेड्डी के साथ भी जाते हैं, तो वह एक पूर्ण बल्लेबाज है, इसलिए हम देखेंगे कि हम किस तरह के कॉम्बिनेशन के साथ जाना चाहते हैं और हम असल में क्या करना चाहते हैं।

बीबीएल 16

लाबुशेन ब्रिस्बेन हीट के साथ लगातार 11वां सीजन खेलेंगे

ब्रिस्बेन ।बिग बैश लीग के 16वें सीजन के लिए ब्रिस्बेन हीट ने मार्नस लाबुशेन को रिटेन किया है। लाबुशेन लगातार 11वां सीजन ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलेंगे। री-साइन किए गए खिलाड़ियों में लाबुशेन को क्रिस लिन के साथ रखा गया है। क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजर-हाई परफॉर्मेंस बेनेट किंग ने कहा कि लाबुशेन का अनुभव और कॉम्पिटिटिव अप्रोच हीट के लिए टूर्नामेंट की तैयारी में बहुत काम आएगा। किंग ने कहा, 'मार्नस जब भी हीट के लिए खेलते हैं तो अपना शत-प्रतिशत देते हैं। ऐसा बहुत कम है, जो उन्होंने अपने करियर में अब तक क्रिकेट के मैदान पर अनुभव न किया हो। उनकी विविध स्किल्स हमें विरोधी लाइन-अप के खिलाफ मैच-अप और हमारे ओवरऑल स्क्वॉड में संतुलन देंगी।'



हीट ने युवा तेज गेंदबाज टॉम बाल्किन और ओली पैटरसन को शामिल करके अपनी 18-सदस्यीय टीम में बची हुई जगहें भी भर ली हैं। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। 22 साल के बाल्किन ने पिछले सीजन के पांच मैचों में छह विकेट लिए थे। पैटरसन, जो 20 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, ने पिछले सीजन में तीन मैचों में चार विकेट लिए थे। पैटरसन ने घरेलू सर्किट में भी शानदार प्रदर्शन किया है और लगातार दूसरे सीजन में टी20 मैक्स टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। दोनों युवा खिलाड़ियों ने क्वींसलैंड के लिए डोमेस्टिक वनडे कप में अपना लिस्ट ए डेब्यू किया है, जबकि बाल्किन ने शेफील्ड शील्ड मैच में भी हिस्सा लिया है। किंग ने कहा, 'मार्नस जैसे बहुत अनुभवी खिलाड़ी और टॉम और ओली जैसे दो युवा तेज गेंदबाज, जिन्होंने बीबीएल में पहले ही दिखा दिया है कि वे क्या कर सकते हैं, के साथ अपनी स्क्वॉड को पूरा कर पाना हमें अगले महीने होने वाले कॉम्पिटिशन में एक मजबूत स्थिति में रखता है।'

IPL 2027 में नहीं खेल पाएंगे ट्रेविस हेड, एसआरएच को फैसले की जानकारी दी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2027 (आईपीएल 2027) से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए खेलने वाले ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेलने का फैसला किया है। हेड ने अपने फैसले की जानकारी एसआरएच मैनेजमेंट को दी है। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, हेड ने एसआरएच को आईपीएल के अगले सीजन में नहीं खेलने के अपने फैसले के बारे में बताया है। अगले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया का इंटरनेशनल शेड्यूल बहुत व्यस्त रहेगा। ट्रेविस हेड इसी वजह से आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेल पाएंगे। अगस्त की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने क्रिकइन्फो को बताया था कि ऑस्ट्रेलिया को कुछ फैसले लेने होंगे, क्योंकि उनके लिए बहुत सारी जरूरी प्राथमिकताएं सामने हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने का मौका चाहेगी, जो आईपीएल खत्म होने के ठीक बाद है।



Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1





खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर



सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।



रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड



विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।



प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रीनगर में कांग्रेस का विरोध मार्च रोका गया, भाजपा विधायक पर एफआईआर की मांग

श्रीनगर , एजेंसी। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के विरोध प्रदर्शन को पुलिस ने रोक दिया। यह प्रदर्शन भाजपा पर क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिशों के खिलाफ था, और इसमें किश्तवाड़ से भाजपा विधायक शगुन परिहार के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने की मांग की गई। बीजेपी विधायक परिहार ने दावा किया था कि किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या से पहले एक मस्जिद से कुछ घोषणाएं की गई थीं, जिस पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। पार्टी मुख्यालय एमए रोड पर कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ता एकत्र हुए। उन्होंने भाजपा के खिलाफ और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक कर्रा के समर्थन में नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य सड़क पर मार्च निकालने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। मीडिया से बात करते हुए, कांग्रेस की श्रीनगर जिला इकाई के अध्यक्ष आदिल मीर ने कहा कि उनकी पार्टी 'सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की भाजपा की कोशिशों' के खिलाफ आवाज उठाना चाहती थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें मुख्यालय से बाहर नहीं निकलने दिया। मीर ने मांग की कि परिहार के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए और वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। मीर ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता अपने प्रदेश अध्यक्ष तारिक कर्रा के प्रति एकजुटता व्यक्त करना चाहते थे, जिनकी उन टिप्पणियों के लिए भाजपा ने आलोचना की थी, जिनमें कर्रा ने एसपीओ को सुरक्षा बलों द्वारा गलती से आतंकवादी समझकर गोली मारने की आशंका जताई थी। मीर ने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी विफलताओं, खासकर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर, से ध्यान भटकाने के लिए जम्मू-कश्मीर में सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश कर रही है।

हरिद्वार में मासूम से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार में 11 महीने की बच्ची से कथित दुष्कर्म के आरोप में सौरभ नामक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को बाल्मीकि चौक के पास से पकड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है और उसकी मेडिकल जांच भी कराई जा रही है। सौरभ बिहार के भागलपुर निवासी है और सिडकुल क्षेत्र की निजी फैक्ट्री में काम करता है। यह हृदयविदारक घटना 15 नवंबर की रात सिडकुल क्षेत्र में घटी थी। घटना के बाद गंभीर हालत में बच्ची को हरिद्वार जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से बच्ची को ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले का रहने वाला बच्ची का परिवार भी हरिद्वार के औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में काम करता है। सौरभ कुछ दिन पहले ही इसी फैक्ट्री में काम करने आया था और उसने उनके कमरे के पास ही कमरा किराए पर लिया हुआ था। रविवार रात जब बच्ची की मां रसोई में खाना बना रही थी और बच्ची रो रही थी, तभी सौरभ बच्ची को चुप कराने के बहाने अपने कमरे में ले गया और कथित तौर पर दुष्कर्म किया। बच्ची के जोर-जोर से रोने की आवाज सुनकर उसकी मां दौड़कर आरोपी के कमरे में पहुंची, जहां मां ने बच्ची को बुरी हालत में पाया। बच्ची की मेडिकल जांच में उसके साथ दुष्कर्म के प्रयास की पुष्टि हुई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

दिल्ली में मकान की छत गिरने से 2 की मौत, कई लोगों के दबने होने की आशंका

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा इलाके के ज्वाला नगर में मकान की छत गिरने से अब तक दो लोगों की मौत की खबर सामने आई है, जबकि 7 से 8 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने रेस्क्यू जारी है। हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। हादसे में मृतकों व घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

डीएमके ने किया सरकार बनाने का दावा: तमिलनाडु में विजय सरकार पर संकट

चेन्नई , एजेंसी। तमिलनाडु में प्रमुख विपक्षी दल द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) ने राज्य में जल्द अपनी सरकार बनने का दावा किया है। पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा है कि उनके समर्थक उन्हें अभी भी मुख्यमंत्री कहकर बुलाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय राजधानी दिल्ली में थे और उनकी पार्टी, तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके), कथित तौर पर सरकार गिराने की कोशिशों के प्रति अपने विधायकों को आगाह कर रही है।

स्टालिन ने सोमवार को एक डीएमके नेता के परिवार में शादी समारोह में कहा कि टीवीके का मौजूदा शासन खराब प्रशासन प्रदान कर रहा है। उन्होंने समर्थकों से उन्हें मुख्यमंत्री कहना बंद करने का अनुरोध किया, क्योंकि यह उनके लिए शर्म और दुख की बात है, लेकिन साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि द्रमुक जल्द ही सरकार बनाएगी। यह पहली बार नहीं है जब स्टालिन ने ऐसा दावा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि राज्य के विपक्षी दल एक नए फ्लोर टेस्ट की मांग कर सकते हैं। खबरों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय ने हाल ही में अपने विधायकों की एक बैठक बुलाई थी जो करीब तीन घंटे तक चली। इस बैठक में उन्होंने विधायकों से व्यक्तिगत रूप से बात की, जिसमें 10 विधायकों के एक समूह से अलग से चर्चा की गई। रिपोर्टों के मुताबिक, विधायकों को चेताया गया था कि सरकार को गिराने की कोशिश हो सकती है और उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी गई थी। एक विधायक ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव को 6 महीने (13 मई से 13 नवंबर) पूरे हो चुके हैं और 13 नवंबर के बाद कभी भी एक और अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। विधायकों को यह भी बताया गया कि सरकार के पास ऐसी जानकारी है कि विपक्ष सत्तारूढ़ दल के नेताओं को अपने पाले में लाने की कोशिश कर सकता है। आरोप लगाए गए थे कि डीएमके और अन्य विपक्षी दल दिल्ली में राजनीतिक ताकतों की मदद से इसे अंजाम दे सकते हैं। विधायकों को ऐसे किसी भी राजनीतिक फैसले से बचने की सलाह दी गई,



जिससे उनके राजनीतिक करियर पर खतरा हो। गौरतलब है कि 4 मई को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के कुछ दिनों बाद ही विजय सरकार को फ्लोर टेस्ट का सामना करना पड़ा था। स्टालिन ने अक्टूबर में ही यह भविष्यवाणी कर दी थी कि मौजूदा सरकार शायद 6 महीने भी पूरे न कर सके।

केजरीवाल का शीशमहल अब आम जनता के लिए खुलेगा

● भ्रष्टाचार का उदाहरण दिखाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने महत्वपूर्ण घोषणा कर कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का पुराना सरकारी आवास, जो कि शीशमहल के नाम से जाना जाता है, अब आम जनता के लिए खोला जाएगा। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस आवास को देखने के लिए समय आरक्षित करने और टिकट बुक करने की व्यवस्था अगले सप्ताह तक शुरू कर दी जाएगी। रेखा के मंत्री प्रवेश सिंह ने कहा कि यह कदम जनता की मांग पर उठाया गया है और इसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण पेश करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति जो कि कभी सरकारी वाहन का उपयोग न करने का वादा किया था, उसने कई अन्य घरों को ध्वस्त कर अपने लिए यह आलीशान आवास बनवाया। शुरुआत में मीडिया को आवास का दौरा कराया जाएगा, जिसके बाद आम लोग टिकट खरीदकर इसके आंतरिक हिस्सों को देख सकते है। फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगला नंबर छह में केजरीवाल 2015 से 2024 तक मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान रहे थे। इस बंगले को शीशमहल नाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक राजनीतिक अभियान के दौरान दिया था, ताकि आम आदमी पार्टी और उसके राष्ट्रीय संयोजक पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उजागर कर सके। पिछले साल भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि केजरीवाल के तत्कालीन सरकारी आवास के नवीनीकरण पर 33.66 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, जो अनुमानित लागत से 342 प्रतिशत अधिक थे।

बिलकिस बानो का दर्द: दोषियों की जमानत पर फिर छलका अविश्वास

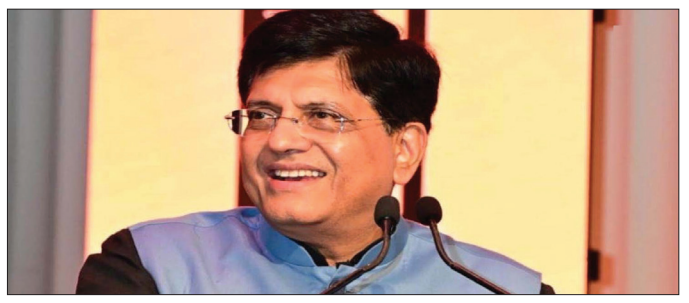
नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान सामूहिक बलात्कार और परिवार के सात सदस्यों की हत्या के दोषी दो लोगों की उम्रकैद की सज़ा पर रोक लगाकर उन्हें ज़मानत दे दी है। इस फैसले पर बिलकिस बानो ने गहरा सदमा और अविश्वास जताया है, उनका कहना है कि यह आदेश उन्हें सुने बिना ही पारित किया गया। अपने बयान में, बिलकिस ने कहा कि दर्द, सदमे और अविश्वास के कारण उनकी आँखों से आँसू बह रहे हैं और कुछ बोल पाना भी मुश्किल हो रहा है।



उन्होंने कहा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि एक बार फिर, दूसरी बार, सुप्रीम कोर्ट ने मुझे बुलाए या मेरी बात सुने बिना ही आदेश पारित कर दिया। उन्हें इसकी जानकारी प्रेस रिपोर्टों से मिली। बिलकिस ने अपनी आपबीती याद कर कहा कि 19 साल की उम्र में उनकी नन्ही बेटी, परिवार, घर और इंसानियत पर उनका भरोसा सब कुछ बेरहमी से छीन लिया गया था। उस दिन के बाद से, पिछले 24 सालों से वह अपने लिए और हर जगह की महिलाओं के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रही हैं, जिसमें उन्हें लाखों लोगों का समर्थन और एकजुटता मिली है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस पी.बी. वराले की सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने बिपिन चंद्र जोशी और प्रदीप मोर्डिया को ज़मानत दी। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि वे 17 साल से अधिक समय से जेल में बंद थे। यह मामला 2002 के गुजरात दंगों की सबसे भयानक घटनाओं में से एक से जुड़ा है, जब गर्भवती बिलकिस बानो के साथ दोषियों ने सामूहिक बलात्कार किया था। उनकी 3 साल की बेटी का सिर एक चट्टान पर पटक कर हत्या कर दी गई थी। उनकी माँ और चचेरी बहन (जिसने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया था) के साथ भी सामूहिक बलात्कार कर उनकी हत्या की गई। 8 नाबालिगों सहित परिवार के सात सदस्य क्रूर हिंसा का शिकार बने और मारे गए। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस मामले का मुकदमा गुजरात से महाराष्ट्र स्थानांतरित किया गया था, जहाँ मुंबई की ट्रायल कोर्ट ने 11 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई थी।

भारत को चाहिए 2000 विमान: 1000 और खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए देश 1,000 और विमान खरीदने की तैयारी कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मिस्र की राजधानी काहिरा में यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत को अपनी जरूरतों के लिए 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है, जबकि 1,200 से अधिक का ऑर्डर पहले ही दिया जा चुका है। सरकार विमान निर्माताओं से जल्द आपूर्ति के लिए बातचीत कर रही है। देश में हवाई यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि इसकी प्रमुख वजह है। अब छोटे शहरों में भी हवाई यात्रा आम लोगों की पहुंच में आ रही है, साथ ही अर्थव्यवस्था के विस्तार, कारोबार और पर्यटन ने भी मांग बढ़ाई है। अनुमान है कि भारत में हवाई यात्रियों की संख्या औसतन 8.9 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ सकती है।



हालांकि, भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा पहले ही 1,200 से अधिक विमानों के बड़े ऑर्डर दिए जा चुके हैं, फिर भी कमी बनी हुई है। इसकी मुख्य वजह वैश्विक उत्पादन संबंधी बाधाएं, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट, इंजन की कमी और कुशल कर्मचारियों का अभाव है, जिसके कारण विमानों की डिलीवरी में कई साल की देरी हो रही है। कुछ मामलों में तो 15 साल तक लग सकते हैं। इस बीच, इंडिगो और एयर इंडिया जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियों ने भी बड़े ऑर्डर दिए हैं। इंडिगो ने एयरबस को 500 ए320 फैमिली विमानों और बाद में 60 ए350 विमानों का ऑर्डर दिया है। वहीं, एयर इंडिया समूह ने 2023 में 470 और 2024 में 100 एयरबस विमानों सहित कुल 570 विमानों का ऐतिहासिक ऑर्डर दिया है। इस विस्तार का मकसद घरेलू बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के साथ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का नेटवर्क बढ़ाना है। सरकार की योजना सिर्फ विदेशों से विमान खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश में विमान निर्माण को बढ़ावा देना भी है। इसी दिशा में ब्राजील की विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर और अडानी समूह ने भारत में क्षेत्रीय विमानों के निर्माण की संभावनाओं पर काम करने के लिए साझेदारी की है। अनुमान है कि 2035 तक भारत का कमर्शियल विमान बेड़ा करीब 2,250 विमानों का हो सकता है। नए विमानों की उपलब्धता से हवाई यात्रियों को सीधा फायदा मिलेगा, जिसमें अधिक उड़ानें, बेहतर कनेक्टिविटी (खासकर छोटे शहरों और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर) और यात्रा के अधिक विकल्प शामिल हैं। हालांकि, ईंधन लागत, मांग और परिचालन खर्च जैसे कारकों के कारण टिकटों की कीमतों में तत्काल बड़ी गिरावट की संभावना कम है। इस व्यापक विस्तार के लिए विमान खरीदने के साथ-साथ 35,000 पायलट, 34,000 तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती और हवाई अड्डों तथा रखरखाव सुविधाओं की क्षमता बढ़ाना भी आवश्यक होगा।

अमिताभ और अभिषेक को गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों की जान से मारने की धमकी

मुंबई ,एजेंसी। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को फिर जान से मारने की धमकी मिली है। कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने पोस्ट साझा कर उन्हें निशाना बनाने की चेतावनी दी है। इस धमकी में साफ कहा गया है कि वे चाहे जितने बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लें, उन्हें वहीं मार दिया जाएगा। इस पोस्ट के सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। कुख्यात गैंगस्टर ढिल्लों ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुंबई से उसके दो साथियों, विकास ठाकुर और दीपक सिंह को गिरफ्तार किया है। कुख्यात गैंगस्टर ने स्पष्ट किया कि इन गिरफ्तारियों के बावजूद उनकी कथित योजना नहीं रुकेगी और इन दोनों का संबंध किसी दूसरे गैंग से नहीं है। गोल्डी ने धमकी को 1984 के सिख विरोधी नरसंहार से जोड़ा, जिसमें कुख्यात गैंगस्टर ने कहा कि इसके दोषियों को माफ नहीं किया जाएगा। इसके बाद सीधे तौर पर अमिताभ और अभिषेक बच्चन का नाम लेकर कहा कि वे चाहें जितने बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लें, उन्हें वहीं निशाना बनाया जाएगा। गैंगस्टर ने धमकी भरे लहजे में लिखा, दोनों को बुलेटप्रूफ केबिन में ही मारा जाएगा।

फिलहाल, सोशल मीडिया पर सामने आई गंभीर धमकी को लेकर संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर भी फायरिंग की घटना हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। उस घटना के बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ाई गई थी। बिग बी अब हर रविवार अपने घर के बाहर फैंस से बुलेटप्रूफ केबिन के भीतर से ही मुलाकात करते हैं। अमिताभ बच्चन को इससे पहले भी कई बार जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं।

सोनिया की किताब लांच में कैप्टन अमरिंदर: कांग्रेस वापसी की अटकलें खारिज

मेरा गांधी परिवार से पुराना और निजी संबंध

नई दिल्ली , एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम ने देश के सियासी गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलोंगिंग- अ जर्नी ऑफ लव के विमोचन समारोह में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह की मौजूदगी ने सभी का ध्यान खींचा। कार्यक्रम की सबसे खास तस्वीर तब सामने आई, जब अमरिंदर सिंह अगली पंक्ति में विपक्षी इंडिया गठबंधन के दिग्गज नेताओं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ बैठे दिखे। इससे कांग्रेस में उनकी संभावित वापसी की अटकलें तेज हो गईं, खासकर जब उन्हें भाजपा से नाखुश बताया जा रहा है। हालांकि, कैप्टन सिंह ने इन सभी अटकलों को पूरी तरह से खारिज किया है। अमरिंदर ने पांच साल पहले कांग्रेस छोड़ दी थी, जब उन्हें पंजाब के मुख्यमंत्री पद से हटाया था। इसके बाद उन्होंने 19 सितंबर 2022 को औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का दामन थाम लिया था। गांधी परिवार के साथ उनके करीबी रिश्ते और राजीव गांधी के साथ उनकी जवानी के दिनों की दोस्ती भी उनकी वापसी की अटकलों को हवा दे रही थी।

कार्यक्रम में शामिल होने का कारण बताकर कैप्टन सिंह ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से एक सामाजिक मुलाकात थी। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार के साथ उनके दशकों पुराने गहरे निजी संबंध हैं और राजनीतिक विचारधाराओं को सामाजिक मेल-जोल के आड़े नहीं आना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि सोनिया गांधी भी अतीत में उनकी तीन किताबों के लांच कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा, हम यहां एक सामाजिक कार्यक्रम के लिए आए हैं। इसमें राजनीतिक मुद्दे कहां से आ गए? कई अन्य देशों में, लोग अपनी राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर भी सामाजिक रूप से मिलते-जुलते रहते हैं।

कांग्रेस में फिर शामिल होने की संभावना के बारे में पूछने पर, भाजपा नेता ने दृढ़ता से कहा कि वे एक बार फैसला लेने के बाद उस फैसले को पलटने में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने स्पष्ट किया कि गांधी परिवार के साथ उनकी मुलाकातें केवल सामाजिक रही हैं और किसी ने भी उनसे पार्टी में वापस लौटने के बारे में कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा, एक बार जब आप कोई फैसला ले लेते हैं, तब आपको बाद में जाकर शिकायत नहीं करनी चाहिए। मैं इसमें यकीन नहीं रखता। मैं यहाँ बस एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने आया हूँ। मैं इस परिवार को कई सालों से जानता हूँ। हमारा रिश्ता बहुत करीबी हैज किसी ने मुझसे कभी नहीं पूछा कि मुझे उनके साथ जुड़ना चाहिए या नहीं।

इस मौके पर, राहुल गांधी ने भी गांधी परिवार के साथ अमरिंदर के लंबे जुड़ाव को याद किया। उन्होंने एक दिलचस्प घटना का जिक्र किया, जब उनके पिता राजीव गांधी, अमरिंदर सिंह से फोन पर बात कर रहे थे और उसी समय राहुल की अपनी माँ सोनिया गांधी से बहस हो गई थी। राहुल ने याद किया, हमने उन्हें (राजीव गांधी और सोनिया गांधी को) बहस करते देखा था, हालाँकि हमने उन्हें लड़ते हुए सिर्फ एक ही बार देखा है। संयोग



की बात देखिए-जब ऐसा हुआ, तब मेरे पिता फोन पर अमरिंदर जी से बात कर रहे थे। वह इकलौता मौका था जब हमने उन्हें लड़ते हुए देखा। यह वाकया दोनों परिवारों के बीच की व्यक्तिगत निकटता को दिखाता है, बावजूद इसके कि अमरिंदर अब एक अलग राजनीतिक दल में हैं।

प्रचंड चक्रवात अकवान का खतरा: 20 नवंबर को आंध्र तट पर 145 किमी/घंटा की रफ्तार से देगा दस्तक

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात अकवान तेजी से खतरनाक होता जा रहा है। मंगलवार यह चेन्नई से 610 किलोमीटर पूर्व में केंद्रित था और अब यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। समुद्र की सतह का तापमान और अनुकूल मौसमी परिस्थितियाँ इसकी तीव्रता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। मौसम विभाग लगातार इस पर निगरानी रख रहा है और लगातार अपडेट दे रहा है। नवीनतम पूर्वानुमान के मुताबिक, अकवान मंगलवार शाम तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। इसके बाद, यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़कर 19 नवंबर की सुबह तक एक बहुत गंभीर साइक्लोन का रूप ले लेगा।

पूर्वानुमान के मुताबिक, चक्रवात अकवान 20 नवंबर को दोपहर के आसपास आंध्र प्रदेश और यानम तट पर नेल्लोर और तुनी के बीच लैंडफॉल करेगा। इस दौरान हवाओं की निरंतर गति 120 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा रहने का अनुमान है, जबकि झोंके 145 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकते हैं। यह आंध्र प्रदेश के लिए हाल के समय में तीसरा बड़ा चक्रवाती खतरा है, जिससे राज्य प्रशासन पहले से ही सतर्क है।



लैंडफॉल के बाद, यह तेजी से कमजोर होकर तेलंगाना की तरफ बढ़ेगा। तटीय इलाकों में समुद्र बहुत उफान पर रहेगा, इसलिए मछली पकड़ने की गतिविधियों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। मछुआरों और नाविकों को समुद्र में न जाने की सख्त चेतावनी जारी की गई है ताकि जान-माल का नुकसान न हो।

19 और 20 नवंबर को आंध्र के तटीय क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है, कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा भी हो सकती है। इससे निचले इलाकों में जलभराव, पेड़ों का उखड़ना, बिजली आपूर्ति में बाधा, कमजोर संरचनाओं को नुकसान और कृषि फसलों पर असर पड़ सकता है। ओडिशा और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी इसका प्रभाव बारिश के रूप में देखा जा सकता है। आंध्र प्रदेश सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह से सतर्क हैं। अधिकारियों को नियमित चेतावनी जारी करने, संवेदनशील क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गिरे हुए पेड़ों और बिजली के खंभों को तुरंत हटाने, राहत एवं बचाव कार्यों को तेज करने और जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया जा रहा है। लोगों से आधिकारिक अपडेट पर नजर रखने, अनावश्यक यात्रा से बचने और आपातकालीन नंबरों को अपने पास रखने की अपील की गई है। समय पर बरती गई सावधानी से जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मौसम विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और नियमित रूप से जानकारी साझा कर रहा है।

बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर देश भर के नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मुंबई , एजेंसी । राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रणेता और शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे को उनकी पुण्यतिथि पर देश के राजनीतिक दिग्गजों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मनोहर लाल से लेकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों सहित कई नेताओं ने उन्हें याद किया और उनके सिद्धांतों एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को सराहा। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने बालासाहेब को राष्ट्रवाद के ओजस्वी स्वर और अद्वितीय वक्ता बताकर महाराष्ट्र के विकास में उनके अहम योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बालासाहेब अपने प्रखर विचारों के लिए सदैव हमारे हृदय में अमर रहेंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बालासाहेब के जीवन को साहस, स्पष्टवादिता और सांस्कृतिक स्वाभिमान की अद्भुत मिसाल बताया।

एसआईआर प्रक्रिया में समयसीमा बढ़ाए जाने के बाद भी नाम जुड़वाने की रफ्तार धीमी

दिल्ली में 17 दिनों में महज 31,027 फार्म-6 आवेदन मिले

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया में समयसीमा बढ़ाए जाने के बावजूद नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने की रफ्तार धीमी है। चुनाव आयोग की ओर से 29 अक्टूबर को दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 25 नवंबर किए जाने के बाद 17 दिनों में महज 31,027 फार्म-6 आवेदन मिले हैं। इसके साथ ही 31 अगस्त को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद से 15 नवंबर तक प्राप्त कुल आवेदनों की संख्या 3.10 लाख के करीब पहुंची है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 31 अगस्त से 30 अक्टूबर के बीच 2.79 लाख फार्म-6 आवेदन जमा हुए थे। वहीं 29 अक्टूबर को समयसीमा बढ़ाए जाने के बाद 15 नवंबर तक 31,027 और आवेदन मिले। फार्म-6 के जरिये पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन करते हैं। बता दें दिल्ली में एसआईआर की प्रक्रिया 30 जून को घर-घर एन्यूमरेशन फार्म बांटने के साथ शुरू हुई थी। इसके बाद 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची से करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए। इन मतदाताओं के एन्यूमरेशन फार्म निर्वाचन अधिकारियों को वापस नहीं मिल पाए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद निर्वाचन आयोग ने 29 अक्टूबर को एसआईआर की समयसीमा में बदलाव किया था। इसके तहत दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 25 नवंबर और अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की तारीख 22 दिसंबर तय की गई थी। वहीं अब अधिकारियों का कहना है कि फार्म-6 के कम आवेदन और नए सिरे से एन्यूमरेशन फॉर्म बांटने की जरूरत को देखते हुए समयसीमा में एक बार फिर विस्तार किया जा सकता है। अधिकारियों के मुताबिक इस सप्ताह के अंत तक नए सिरे से एन्यूमरेशन फार्म बांटने का काम शुरू होने की उम्मीद है। ऐसे में एसआईआर की प्रक्रिया को तय समय में पूरा करना निर्वाचन अधिकारियों के लिए चुनौती बन सकता है।



Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड के फुकेत में कमर्शियल इमारत में लगी भीषण आग, 11 लोगों की मौत, 16 घायल

फुकेत, एजेंसी। सोमवार तड़के थाईलैंड के दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप फुकेत में एक कमर्शियल शॉपहाउस (व्यावसायिक इमारत) में भीषण आग लग गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। आग एक ऐसी इमारत में लगी जहां वाहनों को किराए पर देने का काम होता था, और बाद में यह आस-पास की कई अन्य इमारतों में फैल गई। यह इमारत फुकेत के पश्चिमी तट पर स्थित पातोंग बीच के पास एक शहरी इलाके में है। थाई अधिकारियों के अनुसार, आग तड़के लगभग 3:17 बजे लगी और दमकलकर्मियों को इसे काबू में करने में करीब दो घंटे का समय लगा। पुलिस ने बताया कि घायलों में 15 लोग थाई नागरिक थे और एक म्यांमार का नागरिक था। मरने वालों या घायलों में कोई भी पर्यटक शामिल नहीं था। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

एनवीडिया के सीईओ के तौर पर जेनसन हुआंग की वापसी की तैयारी, सहयोगियों ने बनाया वॉर रूम; रिपोर्ट में दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। जेनसन हुआंग एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी के तौर पर वापसी करने पर विचार कर रहे हैं और उन्होंने अपने करीबी लोगों के साथ इस संभावना पर चर्चा भी की है। फाइनेंशियल टाइम्स ने इस मामले की जानकारी रखने वालों के हवाले से बताया है कि सिलिकॉन वैली के अधिकारियों के लिए एक वॉर रूम तैयार किया जा रहा है, जो एनवीडिया के पूर्व प्रमुख की वापसी के लिए पैरवी करेगी। साथ ही वे व्हाइट हाउस से भी समर्थन जुटाने की कोशिश करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक जानकार व्यक्ति ने कहा, फ्रंटियर लैब्स के बाहर टेक जगत के सभी अहम लोग जेनसन को पसंद करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन प्रयासों को हुआंग का समर्थन हासिल है। यह रिपोर्ट उस खबर के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें बताया गया था कि जेनसेन हुआंग के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश के दौरान एनवीडिया के बोर्ड ने ब्रिटिश चिपमेकर आर्म होल्डिंग्स के सीईओ रेने हास से संपर्क किया था। हालांकि एनवीडिया की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। गुरुवार को हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। इन संबंधों में एक ऐसा मामला भी शामिल है जिसमें एक संदिग्ध चीनी जासूस का नाम आ रहा है, जिससे कंपनी की एडवांस्ड एआई चिप्स के चीन को निर्यात पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस स्कैम ने चिप बनाने वाली कंपनी को संकट में डाल दिया है और एआई इंडस्ट्री में खलबली मचा दी है। एक ऐसी इंडस्ट्री जिसे खड़ा करने में उन्होंने खुद आर्थिक मदद दी थी।

भारत को लोकतंत्र पर लेक्चर देना गलत, वोट चोरी वाले तंज पर मेलोनी की सहयोगी का इटली के नेता को जवाब

रोम, एजेंसी। इटली की सांसद डेबोरा बर्गामिनी ने पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्सके महासचिव जियाकोमो फिलिबेक की आलोचना की है। फिलिबेक ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा था, वोट चोरों, गद्दी छोड़। के नारे लगाए थे। बर्गामिनी ने कहा कि किसी मित्र देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को दखल नहीं देना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, बर्गामिनी ने कहा कि भारत के पास अपने आंतरिक राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका मौजूद हैं। उन्होंने इटली और भारत के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि यूरोपीय प्रतिनिधियों का भारत को लोकतंत्र पर सीख देना सही नहीं है। डेबोरा बर्गामिनी फोर्जा इटालिया की सदस्य और राष्ट्रीय उप-महासचिव हैं। यह एक मध्य-दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है, जो इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का हिस्सा है। बर्गामिनी की यह टिप्पणी तब आई है, जब फिलिबेक ने हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत समिट 2026 में हिस्सा लेते हुए भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति अपना समर्थन भी जताया। यूरोपियन सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के एक इतालवी प्रतिनिधि ने, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए, प्रधानमंत्री मोदी की भाजपा पर हमला बोला और कहा: वोट चोरों, गद्दी छोड़। यह आलोचना मतदाता सूची में लंबे समय से लंबित संशोधन को लेकर है एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उद्देश्य दोहरी प्रविष्टियों, मृत व्यक्तियों के नामों और अपनी जगह बदल चुके लोगों के नामों को सूची से हटाना है।

अब फैलने से पहले ही पकड़ा जाएगा कैंसर, नए ब्लड टेस्ट से जागी जिंदगी की नई उम्मीद



लंदन, एजेंसी। अंडाशय के कैंसर की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अक्सर इसका पता तब चलता है, जब बीमारी आसपास के ऊतकों तक फैल चुकी होती है। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने खून में एक ऐसे अणु की पहचान की है, जो कैंसर की शुरुआती कोशिकीय गड़बड़ियों का संकेत दे सकता है। नए अध्ययन में इस जांच से शुरुआती अवस्था के कुछ मामलों की पहचान करने में सफलता मिली है। हालांकि, इसे अभी नियमित जांच का विकल्प मानना जल्दबाजी होगी। अंडाशय के कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए अब खून की एक नई जांच उम्मीद की किरण बन सकती है।

नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने रक्त में टीयू-स्ट्रोमा नाम के एक अणु की मौजूदगी का पता लगाया है। अध्ययन के मुताबिक, इस अणु का स्तर उन लोगों में अधिक पाया गया, जिनमें अंडाशय के कैंसर की शुरुआती कोशिकीय गड़बड़ियां मौजूद थीं। इनमें वे लोग भी शामिल थे, जिनकी फैलोपियन ट्यूब की अंदरूनी परत में असामान्य कोशिकाएं थीं, लेकिन कैंसर आसपास के ऊतकों तक नहीं फैला था। यह अध्ययन एंजलिया रस्किन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं जस्टिन स्टेबिंग और एंजलिया रस्किन विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं ने किया है। इसके निष्कर्ष द कन्वरसेशन में प्रकाशित लेख के माध्यम से सामने आए हैं।

कैंसर की शुरुआत फैलोपियन ट्यूब से भी : अंडाशय के कैंसर का सबसे आम और तेजी से फैलने वाला प्रकार हाई-ग्रेड सीरस ओवेरियन कैंसर है। इसकी शुरुआत कई मामलों में अंडाशय के बजाय फैलोपियन ट्यूब में होती है। ये नलिकाएं अंडाशय से अंडों को गर्भाशय तक पहुंचाती हैं। इस कैंसर की शुरुआती कोशिकीय गड़बड़ियां इतनी सूक्ष्म होती हैं कि कई बार सर्जरी के बाद फैलोपियन ट्यूब के ऊतकों की सूक्ष्मदर्शी से जांच करने पर ही उनका पता चलता है। इस शुरुआती स्थिति को सीरस ट्यूबल इंट्राएपिथीलियल कार्सिनोमा यानी स्टिक कहा जाता है। इसमें असामान्य कोशिकाएं फैलोपियन ट्यूब की अंदरूनी परत तक सीमित रहती हैं और आसपास के ऊतकों में नहीं फैली होतीं। नए अध्ययन में संकेत मिला है कि रक्त में टीयू-स्ट्रोमा की मात्रा मापकर इस तरह के शुरुआती बदलावों की पहचान करना संभव हो सकता है। शोधकर्ताओं ने 506 लोगों के पहले से सुरक्षित रखे गए रक्त नमूनों का विश्लेषण किया। इनमें 43 लोग ऐसे थे, जिनमें स्टिक की स्थिति मौजूद थी। यानी उनकी फैलोपियन ट्यूब की अंदरूनी परत में असामान्य कोशिकाएं थीं, लेकिन कैंसर आसपास के ऊतकों तक नहीं पहुंचा था। टीयू-स्ट्रोमा एक प्रकार का त्रह है जो कोशिकाओं के कामकाज को नियंत्रित करने में भूमिका निभाता है। पहले के शोध में पता चला था कि अंडाशय के कैंसर की कोशिकाएं इस अणु को छोटी थैलियों जैसी संरचनाओं में छोड़ सकती हैं। इन्हें एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल्स कहा जाता है। ये कोशिकाओं के बीच संदेश पहुंचाने वाले सूक्ष्म पैकेट की तरह काम करती हैं। शोधकर्ताओं ने खून में मौजूद इन पैकेटों के भीतर टीयू-स्ट्रोमा की मात्रा मापी। अलग समूह के नमूनों पर जांच की सटीकता परखने के दौरान इस जांच से स्टिक से पीड़ित करीब 92 प्रतिशत लोगों की पहचान हो गई। वहीं, तुलना के लिए शामिल स्वस्थ लोगों में करीब 98 प्रतिशत की जांच में स्टिक के संकेत नहीं मिले। फिलहाल अंडाशय के कैंसर की आशंका होने पर डॉक्टर सीए125 नाम के प्रोटीन की मात्रा जानने के लिए रक्त जांच करा सकते हैं। कैंसर होने पर इसका स्तर बढ़ सकता है, लेकिन यह जांच पूरी तरह सटीक नहीं है। डोमेट्रियोसिस जैसी गैर-कैंसरकारी स्थिति में भी सीए125 का स्तर बढ़ सकता है वहीं, कुछ लोगों में अंडाशय का कैंसर शुरुआती अवस्था में होने के बावजूद अंडाशय के कैंसर के लक्षणों में पेट फूलना, लगातार पेट दर्द, थोड़ा खाना खाने के बाद ही पेट भरने का एहसास और बार-बार पेशाब आने की समस्या शामिल हो सकती है। ये लक्षण दूसरी बीमारियों में भी दिखाई देते हैं। लेकिन यदि ये लगातार बने रहें या बार-बार उभरें तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। शोध के नतीजे उत्साहजनक हैं, लेकिन इसकी कुछ अहम सीमाएं भी हैं। अध्ययन में ऐसे लोगों के रक्त नमूनों का विश्लेषण किया गया, जिनकी बीमारी की स्थिति पहले से मालूम थी। इसके अलावा स्टिक से पीड़ित लोगों की संख्या भी कम थी। इसलिए अभी यह साबित नहीं हुआ है कि बिना किसी लक्षण वाले लोगों की बड़ी आबादी में इस जांच से कैंसर की समय रहते पहचान हो सकेगी।

बीएलए को मिला नया कमांडर-इन-चीफ, पाकिस्तानी सेना का पूर्व कैप्टन रहमान गुल संभालेगा संगठन की कमान



कराची, एजेंसी। पाकिस्तान में सक्रिय अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी ने अपने नेतृत्व में बड़ा बदलाव किया है। संगठन ने रहमान गुल उर्फ मुरीद को नया कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया है। खास बात यह है कि रहमान गुल पहले पाकिस्तानी सेना में कैप्टन के पद पर तैनात रह चुका है। सेना छोड़ने के बाद वह बीएलए में शामिल हो गया था और संगठन की महत्वपूर्ण सैन्य इकाई मजीद ब्रिगेड की जिम्मेदारी भी संभाल चुका है। बीएलए के मुताबिक, नए प्रमुख की नियुक्ति वरिष्ठ कमांड काउंसिल के सदस्यों और सभी कमांडरों की सहमति से की गई है। रहमान गुल का जन्म 14 अगस्त 1984 को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के नौशकी में हुआ था। उसने पेशावर विश्वविद्यालय से पढ़ाई की। साल 2002 में वह पाकिस्तानी सेना में भर्ती हुआ और 19वीं फ्रंटियर फोर्स रेजिमेंट में तैनात रहा। उसने करीब आठ साल तक कैप्टन के पद पर सेवाएं दीं। हालांकि, साल 2010 में उसने पाकिस्तानी सेना छोड़ दी और बलूच लिबरेशन आर्मी से जुड़ गया। इसके बाद वह संगठन में तेजी से आगे बढ़ा और एक प्रमुख सैन्य कमांडर के रूप में उसकी पहचान बनी। बीएलए में शामिल होने के बाद रहमान गुल को संगठन की अहम सैन्य इकाई मजीद ब्रिगेड की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह संगठन की आत्मघाती हमलों से जुड़ी इकाई मानी जाती है।

इस ब्रिगेड का नाम पाकिस्तान में सुरक्षा बलों और चीनी नागरिकों को निशाना बनाकर किए गए कई हमलों के संदर्भ में सामने आता रहा है। मार्च 2025 में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर हुए हमले की जिम्मेदारी भी बीएलए ने ली थी। इस घटना के बाद संगठन की गतिविधियों और उसकी सैन्य रणनीति को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हुई थी। बशीर जेब की जगह मिली जिम्मेदारी बीएलए ने 3 नवंबर को बशीर जेब बलूच को कमांडर-इन-चीफ के पद से हटाने का ऐलान किया था।

इजराइल का गाजा में फिर बड़ा हमला, हमास की राफा ब्रिगेड का कमांडर किया ढेर

गाजा, एजेंसी। इजराइली सुरक्षाबलों ने दक्षिणी गाजा में शनिवार देर रात किए गए हवाई हमलों में हमास के शीर्ष कमांडर समीर महमूद हसन अबू यूनुस को मार गिराया। इजराइल ने रविवार को इसकी जानकारी दी। हमास ने भी एक बयान जारी कर अपनी राफा ब्रिगेड के कमांडर अबू यूनुस की मौत की पुष्टि की है। संगठन के अनुसार, उसका अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। इजराइली सेना ने बताया कि शनिवार आधी रात के तुरंत बाद किए गए हमले में अबू यूनुस मारा गया। सेना के मुताबिक, वह हमास की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ इजराइल के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने का निर्देशन कर रहा था।

गौरतलब है कि करीब दो महीने पहले अबू यूनुस से पहले राफा ब्रिगेड के कमांडर रहे व्यक्ति को भी इजराइली हमले में मार दिया गया था। रविवार को इजराइली सेना ने हमास के अन्य लड़ाकों को भी निशाना बनाने की जानकारी दी, हालांकि उनके बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। इस बीच ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिकी हेलीकॉप्टर अड्डे पर स्थापित एक रडार प्रणाली को निशाना बनाया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने यह जानकारी दी। हालांकि, अमेरिकी सेना की केंद्रीय कमान ने इस दावे पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने बताया था कि उसने बहरीन की ओर बढ़ रहे ईरान के दो ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के उस दावे को भी खारिज किया था, जिसमें उसने बहरीन में अमेरिका की पूर्व चेतावनी रडार प्रणाली पर हमला करने की बात कही थी। उधर, यमन की राजधानी सना में हुए हवाई हमले में दो महिलाओं और दो बच्चों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह दावा किया है। उन्होंने हमले के लिए सऊदी अरब को जिम्मेदार ठहराया, हालांकि इसके समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया।

प्राइवेट कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले, 2 और 3 दिसंबर को मिलेगी छुट्टी; क्यों लिया गया फैसला?



अबू धाबी/दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात में काम करने वाले प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। देश की सरकार ने 55वें यूनियन डे यानी ईद अल एतिहाद 2026 के पावन अवसर पर प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के लिए दो दिनों की पेड छुट्टी का ऐलान किया है। इस घोषणा के तहत बुधवार, 2 दिसंबर और गुरुवार, 3 दिसंबर 2026 को निजी कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों को बिना वेतन कटे सार्वजनिक अवकाश का लाभ मिलेगा। यूएई के मानव संसाधन और अमीरातीकरण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक आधिकारिक पोस्ट के जरिए इस फैसले की पुष्टि की है। मंत्रालय के अनुसार, यह दो दिवसीय पेड छुट्टी देश के सभी सात अमीरातों में संचालित होने वाली निजी क्षेत्र की कंपनियों पर पूरी तरह लागू होगी।

दूसरी ओर, फेडरल अथॉरिटी फॉर गवर्नमेंट ह्यूमन रिसोर्सेज ने सरकारी कर्मचारियों के लिए 2 दिसंबर से 4 दिसंबर 2026 तक तीन दिनों का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। ऐसे में सरकारी कर्मचारियों को 4 दिसंबर के बाद वीकेंड की छुट्टी का भी लाभ मिलेगा और सरकारी कार्यालयों में कामकाज 7 दिसंबर (सोमवार) से पुनः प्रारंभ होगा। क्यों मनाया जाता है ईद अल एतिहाद? अरबी भाषा में ईद अल एतिहाद का अर्थ यूनियन डे होता है, जिसे हर साल 2 दिसंबर को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है। 2 दिसंबर 1971 को संयुक्त अरब अमीरात का ऐतिहासिक गठन हुआ था, जिसमें शुरुआत में छह अमीरात एकजुट हुए थे और बाद में फरवरी 1972 में रास अल खैमाह इस संघ का हिस्सा बना था। देश के संस्थापक और पहले राष्ट्रपति शेख जायद बिन सुल्तान अल नाहयान ने यूएई के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस वर्ष यूएई अपनी स्थापना की 55वीं वर्षगांठ मना रहा है। आतिशबाजी, एयर शो और विशेष ऑफर्स से सजेगा यूएई ईद अल एतिहाद के पावन अवसर पर दुबई और अबू धाबी सहित देश के विभिन्न शहरों में बड़े पैमाने पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उत्सव के दौरान शानदार आतिशबाजी, लाइट शो, सैन्य परेड, एयर शो और पारंपरिक अमीराती सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

इसके साथ ही सरकारी इमारतों, शॉपिंग मॉल, सड़कों और आवासीय परिसरों को यूएई के राष्ट्रीय ध्वज के रंगों—लाल, हरे, सफेद और काले से भव्य रूप से सजाया जाएगा। ऐतिहासिक संग्रहालयों व हेरिटेज विलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे और शॉपिंग मॉल, होटल व मनोरंजन स्थलों पर विशेष ऑफर्स दिए जाएंगे।

एनवीडिया ही नहीं, ड्रैगन के निशाने पर पूरी दुनिया



वाशिंगटन, एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े ताजा मामले ने चीनी जासूसी के दायरे को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की है। इस घटना ने दुनिया भर की सरकारों द्वारा बताए जा रहे उस चीनी अभियान की ओर ध्यान खींचा है, जिसका मकसद व्यावसायिक-तकनीकी जानकारियों को जुटाना और सैन्य योजनाओं की खुफिया जानकारी चुराना है।

वहीं बीजिंग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे बदनामी की साजिश करार दिया है. चीन ने कहा है कि अमेरिका तकनीक निर्यात प्रतिबंधों को जायज ठहराने के लिए चीनी जासूसी की कहानियां गढ़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह गतिविधि वैश्विक स्तर पर चल रही है। जर्मनी का आरोप है कि एक कपल ने यहां अनुवादक और ऑटो-उद्योग के कर्मचारी बनकर ढ्ढ, कंप्यूटर विज्ञान और एयरोस्पेस के जानकारों से संपर्क बढ़ाया। उन्होंने इनमें से कुछ लोगों को चीन ले जाकर वहां की सरकारी हथियार कंपनियों के लिए नागरिक (सिविलियन) विषयों पर व्याख्यान दिलवाए। दुनियाभर में एक्टिव है चीन का खुफिया नेटवर्क ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड की खुफिया एजेंसी का कहना है कि सरकार से करीबी संबंध रखने वाली एक चीनी (ऑब्जर्वेटरी) ने एक स्थानीय कंपनी के जरिए अंतरिक्ष-ट्रैकिंग उपकरण लगाने की कोशिश की, जिसका मकसद सैन्य खुफिया जानकारी जुटाना था। ताइवान का कहना है कि चीनी एजेंट सोशल मीडिया पर कर्ज में डूबे सैनिकों को निशाना बनाते हैं। वे उन्हें लोन का लालच देकर फंसाते हैं और फिर उनसे गोपनीय जानकारियां निकलवाते हैं या उनके साथियों से परिचय मांगते हैं। एफबीआई ने चीनी जासूसी को अमेरिका की आर्थिक भलाई के लिए एक गंभीर खतरा बताया है। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमएलजेड 5 ने 2022 में कहा था कि वह चीन से जुड़ी सात गुना अधिक जांच कर रही है, जितनी चार साल पहले कर रही थी। कनाडा की खुफिया एजेंसी चीन को अपना सबसे बड़ा काउंटर-इंटेलिजेंस खतरा मानती है, जबकि डच खुफिया एजेंसी का कहना है कि चीनी डिजिटल जासूसी, जो तकनीकी कंपनियों को निशाना बनाती है। ब्रिटेन की संसदीय निगरानी संस्था ने चीन की व्यवस्था को दुनिया का सबसे बड़ा सरकारी खुफिया तंत्र बताया है, जिसमें सेना, पुलिस और पार्टी के अंग भी शामिल हैं। फिलीपींस में, संदिग्ध जासूसों ने युद्धपोतों और नौसैनिक अड्डे के पास ड्रोन का इस्तेमाल किया। इसके अलावा, उन्होंने ऐसे वाहनों का भी उपयोग किया जिनमें नकली सेलफोन टावर, कैमरे और मैपिंग तकनीक लगी थी, ताकि संवेदनशील जगहों की निगरानी की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि इन एजेंटों ने रक्षा प्रतिष्ठान के लोगों को अपने साथ मिलाया और नौसैनिक कर्मियों के नाम हासिल किए।

पीठ से जुड़े पैदा हुए जुड़वां भाईयों की हुई दुर्लभ सर्जरी, 22 डॉक्टरों की टीम ने 40 दिन के बच्चों को किया अलग



बैंकाक, एजेंसी। मलेशिया में डॉक्टरों ने एक बेहद दुर्लभ और जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए पीठ के निचले हिस्से से जुड़े दो जुड़वां बच्चों को अलग कर दिया। ऑपरेशन के समय दोनों बच्चे महज 40 दिन के थे। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी में विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक बड़ी टीम शामिल थी।

फिलहाल दोनों बच्चों को अस्पताल में विशेष निगरानी और देखभाल में रखा गया है। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों बच्चे पाइगोपैगस नामक दुर्लभ चिकित्सकीय स्थिति के साथ पैदा हुए थे। इसमें जुड़वां बच्चे शरीर के पिछले हिस्से से जुड़े होते हैं। इस मामले में उनकी निचली रीढ़, त्रिकास्थि और श्रोणि आपस में जुड़ी हुई थीं। अस्पताल के मुताबिक, शुरुआत में योजना बनाई गई थी कि बच्चों के चार से छह महीने का होने के बाद उन्हें अलग करने का ऑपरेशन किया जाएगा। हालांकि, एक बच्चे को नवजात देखभाल इकाई में सांस लेने के लिए अधिक सहायता की जरूरत पड़ने लगी। बच्चों के साझा अंग तंत्र पर बढ़ते शारीरिक दबाव को देखते हुए डॉक्टरों ने ऑपरेशन निर्धारित समय से पहले करने का फैसला किया। सितंबर में दोनों बच्चों को अलग करने की जटिल सर्जरी की गई। इस ऑपरेशन में डॉक्टरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती बच्चों के साझा अंगों को अलग करते हुए उनके शरीर के महत्वपूर्ण कार्यों को सुरक्षित रखना था। बच्चों के सर्जनों ने सबसे पहले दोनों के साझा आंतों और मूत्र तंत्र को अलग किया। इसके बाद अलग-अलग गुदा द्वार बनाए गए और मूत्र मार्ग का पुनर्निर्माण किया गया। डॉक्टरों ने श्रोणि तल की संरचना को भी दोबारा तैयार किया। वहीं, तंत्रिका शल्य चिकित्सकों ने रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से के आसपास नसों की पहचान करने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया। इसका उद्देश्य रीढ़ की नसों के कार्य को सुरक्षित रखना और बच्चों के पैरों की गति बनाए रखना था। इस जटिल सर्जरी में कुआलालंपुर के तुंकू अजीजा अस्पताल और सरवाक जनरल अस्पताल के विशेषज्ञों की बहुविषयक टीम शामिल थी।

पत्नी को बेहोश कर दोस्तों से करवाता रेप; खुद करता ऑनलाइन लाइवस्ट्रीम, पीड़िता ने टीवी पर खोली दरिंदे पति की पोल



लंदन एजेंसी। शादी के बाद जिस शख्स पर एक महिला ने सबसे ज्यादा भरोसा किया, वही उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा गुनहगार निकला। ब्रिटेन की एक महिला ने खुलासा किया है कि उसका पति उसे नशीली दवाएं देकर बेहोश कर देता था। इसके बाद दूसरे पुरुषों को घर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म करवाता था और खुद इन घटनाओं को देखता था। इतना ही नहीं, वह कथित तौर पर इन घटनाओं का ऑनलाइन सीधा प्रसारण भी करता था। महिला को करीब पांच साल तक अपने साथ हो रही इस हैवानियत का पता नहीं चला। एक रात अचानक नींद खुलने पर जब उसने खुद को एक अनजान व्यक्ति के यौन हमले का शिकार पाया और दरवाजे पर पति को खड़ा देखा, तब इस खौफनाक सच्चाई का खुलासा हुआ। अब महिला ने अपनी पहचान सार्वजनिक करते हुए ब्रिटिश टेलीविजन चैनल आईटीवी न्यूज पर आपबीती सुनाई है।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने इस सप्ताह अपनी पहचान सार्वजनिक करने का फैसला किया। उन्होंने आईटीवी न्यूज को बताया कि बाहर से उनका पति बिल्कुल सामान्य दिखाई देता था। परिवार की तस्वीरों में दोनों की जिंदगी खुशहाल नजर आती थी, लेकिन घर के भीतर उसका व्यवहार हिंसक और नियंत्रण करने वाला था। महिला के मुताबिक, पति उनकी डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाओं पर पूरा नियंत्रण रखता था। एक घरेलू वीडियो में भी वह उन्हें दवा लेने के लिए कहता दिखाई देता है। महिला को संदेह है कि इन दवाओं का इस्तेमाल उन्हें बेहोश रखने के लिए किया जाता था, ताकि पति दूसरे पुरुषों के साथ मिलकर उनका यौन शोषण कर सके। उन्होंने बताया कि पति कई बार उनके पेय पदार्थ में दवाओं का पाउडर मिला देता था। बाद में उसने जीएचबी नामक नशीले पदार्थ का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। यह ऐसा पदार्थ है, जिसके सेवन से व्यक्ति बेहोश हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पति ने कार के पहिए साफ करने वाले एक रासायनिक पदार्थ के जरिए भी इसका इस्तेमाल किया था। महिला ने उस रात का भयावह अनुभव भी साझा किया, जब पहली बार उन्हें अपने साथ हो रही हैवानियत का एहसास हुआ। उन्होंने बताया कि एक रात वह रसोई में पति के साथ बैठी थीं। पति ने साथ में पेय पीने का सुझाव दिया और उनके लिए जिन एंड टॉनिक बनाया। महिला को जरा भी अंदाजा नहीं था कि पति उनके पेय में कुछ मिला सकता है। उन्हें यह भी याद नहीं कि उन्होंने पूरा पेय खत्म किया था या नहीं। कुछ घंटे बाद जब उनकी आंख खुली तो वह बिस्तर पर बिना कपड़ों के थीं और एक अनजान व्यक्ति उनका दुष्कर्म कर रहा था। उन्होंने तुरंत बगल में देखा तो पति दरवाजे पर खड़ा था। उस समय उन्हें लगा कि अब उनकी हत्या कर दी जाएगी। हालांकि, उन्होंने हिम्मत दिखाई और तेजी से बिस्तर पर पीछे की ओर खिसकने लगीं। इसके बाद वह व्यक्ति उठकर वहां से भाग गया। बाद में महिला को पता चला कि उनके साथ यह अपराध केवल एक या दो बार नहीं हुआ था। पति लंबे समय तक उन्हें नशीला पदार्थ देकर बेहोश करता रहा और दूसरे पुरुषों को घर बुलाकर उनका यौन शोषण करवाता रहा। वर्ष 2022 में महिला के पति को इन अपराधों के लिए 14 साल और आठ महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। उस समय उसकी उम्र 43 वर्ष थी और वह ब्रिस्टल का रहने वाला था। उसने तीन बार दुष्कर्म, तीन बार दुष्कर्म की कोशिश, एक यौन हमले और जहरीला पदार्थ देने के अपराध स्वीकार किए थे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात को अब नर्मदा का पानी भी खरीदना पड़ेगा दूसरी तरफ सूरत में भूजल का कथित कारोबार

एक तरफ पानी के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भरता, दूसरी तरफ सूरत में बोरिंग और टैंकरों के जरिए भूजल बेचने के आरोप! आखिर पानी के प्रबंधन पर जिम्मेदार विभागों की नजर कब पड़ेगी?

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com



गुजरात में आने वाले समय में पानी की उपलब्धता को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार के जलशक्ति मंत्रालय की ओर से एकतानगर में आयोजित बैठक में आगामी सर्दी और गर्मी के दौरान गुजरात की पानी की जरूरत पूरी करने के लिए मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से नर्मदा का पानी लेने की व्यवस्था पर सहमति बनी है। यह बैठक केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में हुई।

सवाल यह है कि जिस गुजरात में सरदार सरोवर परियोजना को लेकर वर्षों से बड़े-बड़े दावे किए जाते रहे हैं, उसी गुजरात को अब अपनी पानी की जरूरत पूरी करने के लिए दूसरे राज्यों से पानी लेने की व्यवस्था करनी पड़ रही है।

बैठक में तय व्यवस्था के अनुसार मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र को पानी के बदले गुजरात बिजली उपलब्ध कराएगा या निर्धारित राशि का भुगतान करेगा। इस संबंध में तीनों राज्यों के मुख्य सचिव आगे की कार्ययोजना तैयार करेंगे।

लेकिन गुजरात में पानी की उपलब्धता को लेकर एक तरफ यह चिंता है, तो दूसरी तरफ राज्य के प्रमुख औद्योगिक शहर सूरत में भूजल के इस्तेमाल को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

सूरत के अलग-अलग इलाकों में कथित तौर पर बोरिंग के जरिए जमीन से पानी निकालकर टैंकरों के माध्यम से व्यावसायिक रूप से बेचे जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब भविष्य में पानी की कमी की आशंका जताई जा रही है, तो भूजल के इस कथित कारोबार पर नियंत्रण कौन रख रहा है? क्या पानी बेचने वाले टैंकर संचालकों की जांच की जा रही है? क्या इन बोरिंग के पास जरूरी अनुमति और प्रमाणपत्र हैं?

और सबसे बड़ा सवाल—यदि बिना अनुमति भूजल का दोहन हो रहा है, तो संबंधित विभागों के अधिकारी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं?

एक तरफ गुजरात को अपनी जरूरत का पानी हासिल करने के लिए दूसरे राज्यों के साथ बिजली या पैसे के बदले व्यवस्था करनी पड़ रही है, तो दूसरी तरफ सूरत में भूजल के कथित व्यावसायिक उपयोग के आरोप सामने आ रहे हैं।

आखिर पानी जैसे बेशकीमती प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण को लेकर प्रशासन कब गंभीर होगा? क्या सूरत में चल रहे कथित अवैध बोरिंग और टैंकर कारोबार की निष्पक्ष जांच होगी, या फिर पानी का यह कारोबार यूं ही चलता रहेगा?

सरकार ने फाइल वापस भेजी,आयुक्त को विभागीय जांच के निर्देश

नगर निगम खाड़ी के बहाव का असर दर्शाए बिना TP स्कीम मंजूर कराने पहुंचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नगर निगम के टाउन प्लानिंग विभाग ने 89.15 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली ड्राफ्ट टीपी स्कीम नंबर-97 (कुंभारिया) का प्रस्ताव मंजूरी के लिए राज्य सरकार को भेजा था। आरोप है कि खाड़ी के किनारे स्थित कुछ सर्वे नंबरों में खाड़ी के मौजूदा बहाव और उसके प्रभाव को दर्शाए बिना ही ड्राफ्ट स्कीम तैयार कर मंजूरी के लिए भेज दी गई।

इस खामी के सामने आने के बाद राज्य के शहरी विकास विभाग ने टीपी स्कीम-97 की फाइल नगर निगम को वापस लौटा दी है। साथ ही नगर निगम आयुक्त राजकुमार बेनीवाल को मामले में विभागीय जांच करने के निर्देश दिए हैं।

फरवरी-2025 में भी खामियों के चलते वापस लौटी थी फाइल

नगर निगम की ओर से बताया गया कि इस स्कीम का पहला इरादा 15 अक्टूबर 2022 को सार्वजनिक किया गया था। ड्राफ्ट नक्शे में गंभीर खामियां पाए जाने के कारण राज्य सरकार ने 11 फरवरी 2025 को स्कीम की फाइल वापस भेज दी थी।

इसके बाद चीफ टाउन प्लानर के साथ विचार-विमर्श कर 21 मई 2025 को नया इरादा सार्वजनिक किया गया। वहीं, 13 फरवरी 2026 को इस संबंध में सार्वजनिक बैठक का आयोजन भी किया गया था।

कमर्शियल निर्माणों को फायदा पहुंचाने की साजिश का आरोप

टीपी स्कीम तैयार करने की प्रक्रिया में नक्शा ड्राफ्टमैन से शुरू होकर हेड ड्राफ्टमैन, असिस्टेंट टाउन प्लानर और टीपीओ (टाउन प्लानिंग ऑफिसर) के स्तर से गुजरता है। प्रत्येक स्तर पर दस्तावेजों और नक्शों का क्रॉस-वेरिफिकेशन अनिवार्य होता है। ऐसे में DILR के आधिकारिक गांव के नक्शे में खाड़ी का मौजूदा अस्तित्व दर्ज होने के बावजूद नगर निगम के ड्राफ्ट नक्शे से उसका गायब हो जाना महज लिपिकीय चूक नहीं माना जा सकता। इस पूरे मामले में कमर्शियल निर्माणों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से खाड़ी के वास्तविक बहाव को नक्शे में नहीं दर्शाने की आशंका जताई जा रही है। अब सवाल यह है कि टीपी स्कीम तैयार करने से लेकर उसे मंजूरी के लिए भेजने तक किन अधिकारियों ने दस्तावेजों की जांच की और इस गंभीर खामी के लिए जिम्मेदारी किसकी तय होगी?

उन-खरवास आग कांड में SUDA की लापरवाही उजागर

47 घंटे तक आग बुझाने में जुटा रहा दमकल विभाग एक भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा

CEO ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उन-खरवास क्षेत्र में 8 से 9 बीघा कृषि भूमि पर कथित रूप से अवैध तरीके से बनाए गए इंडस्ट्रियल वेस्टेज के गोदाम में लगी भीषण आग के मामले में अब SUDA (सूरत अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी) प्रशासन हरकत में आया है। शनिवार सुबह 10 बजे कपड़े के टुकड़ों और ज्वलनशील कचरे के बड़े भंडार में लगी आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया था।

दमकल विभाग की 15 से अधिक गाड़ियों ने लगातार 47 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सोमवार सुबह 9 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया। हालांकि, इस पूरे अभियान के दौरान स्थ अधिकारियों की गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद जिम्मेदार अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

दमकल विभाग ने सुबह 11 बजे सूचना दी, फिर भी 47 घंटे तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा

घटना की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने शनिवार सुबह 11 बजे और उसके बाद दोपहर में भी SUDA अधिकारियों को आधिकारिक तौर पर सूचना दी थी। इसके बावजूद शनिवार सुबह से सोमवार सुबह तक चले 47 घंटे के लंबे अग्निशमन अभियान के दौरान स्थ का एक भी अधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा।

इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम आयुक्त एवं SUDA अध्यक्ष राजकुमार बेनीवाल ने नाराजगी जताई, जिसके बाद प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई।

अधिकारी आदित्य पटेल को कारण बताओ नोटिस, दो मुद्दों पर मांगा लिखित जवाब

नगर निगम आयुक्त के निर्देश के बाद SUDA के प्रभारी ष्टश्वह्म स्मित लोढ़ा ने जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब-तलब करते हुए अधिकारी आदित्य पटेल को आधिकारिक कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

नोटिस में मुख्य रूप से दो मुद्दों पर लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया है:

1. अवैध गोदाम पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? 8 से 9 बीघा जैसी विशाल कृषि भूमि पर अवैध गोदाम का निर्माण होने तक स्थ प्रशासन को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिली?
2. आग की सूचना के बावजूद अधिकारी मौके पर क्यों नहीं पहुंचे? दमकल विभाग द्वारा सूचना दिए जाने के बाद भी 47 घंटे तक कोई जिम्मेदार अधिकारी घटनास्थल पर क्यों नहीं पहुंचा?

इस घटना ने SUDA की निगरानी व्यवस्था, अवैध निर्माणों पर नियंत्रण और अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।





नई सिविल अस्पताल में डिजिटल पहल

अब एक ही डेस्क से मिलेगी मरीज की भर्ती और इलाज की जानकारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत: नई सिविल अस्पताल में भर्ती मरीजों की स्थिति और उनके उपचार से जुड़ी जानकारी परिजनों तक तुरंत पहुंचाने के लिए 'सेंट्रलाइज्ड वार्ड मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर' की शुरुआत की गई है। फिलहाल यह सुविधा किडनी बिल्डिंग के सभी वार्डों और आईसीयू में शुरू की गई है।



इस डिजिटल व्यवस्था के जरिए मरीज के परिजन एक ही सेंट्रलाइज्ड डेस्क से यह जानकारी प्राप्त कर सकेंगे कि मरीज किस वार्ड में भर्ती है, उसका क्या उपचार चल रहा है और उसकी वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति कैसी है। इससे परिजनों को जानकारी के लिए अलग-अलग वार्डों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल को मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. पारुल वडगामा के निर्देशन में लागू किया गया है। मेट्रन नीरजा पटेल और सिस्टम मैनेजर मनीष यादव के सुझाव के बाद ई.आर.एम.ओ. डॉ. लक्ष्मण तहिलियानी तथा किडनी बिल्डिंग के नोडल अधिकारी डॉ. भरत चावड़ा के समन्वय से इसकी शुरुआत हुई। इस सॉफ्टवेयर से नर्सिंग स्टाफ को मैन्युअल रजिस्टर तैयार करने के काम से राहत मिलेगी। इससे कर्मचारियों का कागजी काम कम होगा और वे मरीजों की देखभाल तथा उपचार के लिए अधिक समय दे सकेंगे।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, जल्द ही अस्पताल परिसर की अन्य सभी बिल्डिंगों के वार्ड, आईसीयू और हेल्पडेस्क पर भी यह डिजिटल सुविधा शुरू की जाएगी।



सूरत में शराब तस्करी का भंडाफोड़

सचिन पुलिस की कार्रवाई, शराब और कार समेत 10.67 लाख रुपये का माल जब्त

i-20 कार से 2,352 बोतलें और बीयर के टीन बरामद, एक गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में दिवाली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए अवैध शराब और जुए की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सचिन पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए i-20 कार में विदेशी शराब की तस्करी कर रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, सचिन पुलिस स्टेशन के सर्विलांस स्टाफ को मुखबिर से सूचना मिली थी। इसके आधार पर पुलिस ने सचिन-मोहनी रोड पर बुलेट ट्रेन के पोल नंबर 261 के पास सफेद रंग की i-20 कार नंबर GJ-12-FA-7001 को रोककर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान कार से अलग-अलग ब्रांड की भारतीय निर्मित विदेशी शराब की छोटी-बड़ी कुल 1,800 बोतलें और बीयर के 552 टीन बरामद हुए। इस तरह कुल 2,352 शराब और बीयर की बोतलें व टीन जब्त किए गए, जिनकी कीमत 4.62 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस ने मौके से कार चालक चिराग प्रहलादभाई परमार (उम्र 24 वर्ष), निवासी विहतनगर, कडोदरा चार रास्ता, जिला सूरत को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 6 लाख रुपये की कार और 5 हजार रुपये का मोबाइल फोन भी जब्त किया है। जब्त किए गए माल की कुल कीमत 10 लाख 67 हजार रुपये बताई गई है।

इस मामले में सचिन पुलिस स्टेशन में गुजरात निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।



पर्स के पैसों को लेकर हुआ विवाद, अब हुआ समझौता

वेसु VIP रोड पर फेरीवाले से दो थप्पड़ खाने वाला शख्स निकला SMC कर्मचारी,पुलिस थाने में माफी मांगने के बाद मामला शांत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पिछले तीन दिनों से सूरत महानगरपालिका और पुलिस विभाग में चर्चा का विषय बने 'थप्पड़ कांड' के रहस्य से आखिरकार पर्दा उठ गया है। वेसु VIP रोड पर फेरीवाले के साथ विवाद में सार्वजनिक रूप से दो थप्पड़ खाने वाले शख्स की पहचान हो गई है। महानगरपालिका के जिन वरिष्ठ अधिकारी ने उसे पहचानने से इनकार किया था, वह शख्स सूरत महानगरपालिका के हाइड्रोलिक विभाग में कार्यरत दिलीप सवजीभाई कुकड़िया निकला है। हालांकि, इस पूरे विवाद में तीन दिन बाद अचानक वेसु पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया।

घटना के विवरण के अनुसार, गत 13 नवंबर की रात वेसु VIP रोड पर मल्हार ढोसा के सामने फुटपाथ पर काजलबेन पोदार और उनकी बहन रूपल शेख महिलाओं के पर्स का स्टॉल लगाकर कारोबार कर रही थीं। इसी दौरान रात करीब 10 बजे अमरोली की योगीकृपा सोसायटी में रहने वाले 41 वर्षीय दिलीप कुकड़िया वहां पहुंचे।

उन्होंने महिलाओं का पर्स मांगा, जिसके बाद पैसों के लेन-देन को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हो गई। इस दौरान महिला फेरीवाली ने आरोप लगाया कि उक्त व्यक्ति नशे की हालत में पैसे मांगने आया था। इसके बाद गुस्साए लोगों ने उसे सार्वजनिक रूप से दो थप्पड़ जड़ दिए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

वीडियो वायरल होने के बाद थप्पड़ खाने वाला व्यक्ति मनपा का कर्मचारी होने की चर्चा तेज हो गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह रही कि मनपा के वरिष्ठ अधिकारी भी अपने ही विभाग के कर्मचारी को पहचानने में असमर्थ नजर आए। इस बात पर भी सवाल उठे कि आखिर वह मनपा का कर्मचारी है या नहीं।